RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक

सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, शनिवार ●27 अप्रैल , 2024 वर्षः-11 अंक - 359 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

एससी में याचिका, नोटा को ज्यादा वोट तो चुनाव रद्द हो

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने ईवीएम से जुड़ी एक याचिका पर चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है। याचिका मोटिवेशनल स्पीकर शिव खेड़ा ने लगाई, जिसमें आयोग को यह निर्देश देने की मांग की गई है कि यदि नोटा (नन ऑफ द अबव)

- **चुनाव आयोग को नोटिस, सूरत में बीजेपी कैंडीडेट की निर्विरोध जीत से उठा मामला**

को किसी कैंडीडेट से ज्यादा वोट मिलते हैं, तो उस सीट पर हुए चुनाव को रद्द कर दिया जाए, साथ ही नए सिरे से चुनाव कराए जाएं। याचिका में यह नियम बनाने की भी मांग की गई है कि नोटा से कम वोट पाने वाले उम्मीदवारों को 5 साल के लिए सभी चुनाव लड़ने से बैन कर दिया जाए। साथ ही नोटा को एक काल्पनिक उम्मीदवार के तौर पर देखा जाए। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच शुक्रवार को शिव खेड़ा की याचिका पर सुनवाई करने के लिए तैयार हो गई है। याचिका सूरत में 22 अप्रैल को बीजेपी कैंडीडेट मुकेश दलाल की निर्विरोध जीत के संदर्भ में दायर की

गई है। दरअसल, यहां से कांग्रेस कैंडीडेट नीलेश कुंभाणी का पर्चा रद्द हो गया था।

उनके पर्चे में गवाहों के नाम और हस्ताक्षर में गड़बड़ी थी। इस सीट पर भाजपा और कांग्रेस समेत 10 प्रत्याशी मैदान में थे।

नहीं चल पाया 'खेल', ईवीएम पर सियासत हो गई 'फेल'

सुप्रीम कोर्ट ने दिया तगड़ा झटका, बैलेट पेपर सो वोटिंग की मांग भी ठुकराई

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ वर्षों में चुनाव प्रणाली का हिस्सा रहने वाली इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन विवादों में हैं। इसकी विश्वसनीयता पर उठते सवालों के चलते लगातार चुनावी प्रक्रिया को भी कठघरे में खड़ा किया जाता रहा है लेकिन आज देश की सर्वोच्च अदालत ने ईवीएम विवाद पर ऐतिहासिक फैसला सुनाया

- कहा-45 दिनों तक सेफ रहेंगी ईवीएम, माइक्रो कंट्रोलर की भी हो सकेगी जांच

और वीवीपैट के ईवीएम से 100 फीसदी मिलान की मांग को खारिज कर दिया है। एक तरफ जहां सुप्रीम कोर्ट ने 100 प्रतिशत ईवीएम वीवीपैट मिलान की याचिका खारिज की, तो दूसरी ओर बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग भी खारिज कर दिया है। कोर्ट ने इस ऐतिहासिक फैसले में चुनाव आयोग को भी कुछ सख्त आदेश दिए हैं और चुनाव सुधार को लेकर बड़ा बयान दिया है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता ने ईवीएम वीवीपैट से जुड़ी याचिकाओं पर स्पष्ट कर दिया कि है किसी भी कीमत पर 100 फीसदी मिलान नहीं होगा। इतना ही नहीं, वोटों के वेरिफिकेशन से लेकर वोटिंग प्रक्रिया को लेकर भी सुप्रीम कोर्ट ने कुछ खास दिशा निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि सिंबल लोडिंग यूनिट 45 दिनों तक पूरी तरह से सुरक्षित रखना होगा। कोर्ट ने कहा कि एक बनी बनाई व्यवस्था पर आंख मूंदकर सवाल नहीं खड़े किए जा सकते हैं। किसी भी प्रणाली पर संदेह करना संशय

को जन्म दे सकता है, जो कि अलाचोनात्मक है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि हमने सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया है। इसके साथ कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश भी दिया कि उम्मीदवारों के पास परिणाम की घोषणा के बाद टेक्निकल की एक टीम द्वारा ईवीएम के माइक्रो कंट्रोलर प्रोग्राम की जांच कराने का विकल्प होगा।

प्रत्याशियों को ही देना होगा वेरिफिकेशन का खर्च

सुप्रीम कोर्ट का फैसला सुनाने वाली बेंच में शामिल जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि वीवीपैट वेरिफिकेशन का खर्चा उम्मीदवारों को खुद ही उठाना होगा। अगर ईवीएम में कोई गड़बड़ी पाई जाती है तो फिर खर्चा वापस कर दिया जाएगा। 18 अप्रैल को सुनवाई कर फैसला सुरक्षित रखने के बाद बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से ईवीएम और वीवीपैट से जुड़े चार सवाल पूछे थे जो कि कोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा अहम थे। चुनाव याचिकाओं की सीमा 30 दिन है और इसलिए ईवीएम में डेटा 45 दिनों के लिए संग्रहीत किया जाता है, लेकिन एक्ट में इसे सुरक्षित रखने की सीमा 45 दिन है, क्या स्टोरेज की अवधि बढ़ानी पड़ सकती है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा पूछे गए सवालों का चुनाव आयोग के अधिकारी ने कोर्ट में ही जवाब दिया था।

इन्होंने बैलट पेपर लूटकर राज किया, ये ईवीएम हटाना चाहते हैं

- बिहार के अररिया में पीएम मोदी का इंडिया गठबंधन पर बड़ा हमला

अररिया/ मुंगेर (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने अररिया के फारबिसगंज में सभा की। अपने 43 मिनट के संबोधन में पीएम ने 17 मिनट तक कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि आरजेडी, कांग्रेस के इंडिया गठबंधन को न देश के संविधान की परवाह है और न ही लोकतंत्र की परवाह है। ये वह लोग हैं जिन्होंने दशकों तक बैलट पेपर के बहाने गरीबों का अधिकार छीना। पोलिंग बूथ, बैलट पेपर लूट लिए जाते थे। जब गरीबों को ईवीएम की ताकत मिली है तो चुनाव के दिन

लूट करने वालों को बर्दाश्त नहीं हो रहा था। इसलिए वे ईवीएम को हटाना चाहते हैं, लेकिन आज सुप्रीम कोर्ट ने मतपेटियों को लूटने के इरादा रखने वालों को ऐसा गहरा झटका दिया है कि उनके सारे सपने चूर-चूर हो गए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, इन्होंने (कांग्रेस) यहां तक झूठ फैलाया कि कभी डॉ. मनमोहन सिंह ने ऐसा कहा ही नहीं था कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है लेकिन आज डॉ. मनमोहन सिंह का एक और पुराना वीडियो सामने आया है जिसमें वे वही कह रहे हैं कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है। यह वीडियो सामने आने के बाद कांग्रेस और उनके पूरे इकोसिस्टम को जैसे सांप सूंघ गया है। पीएम ने आगे कहा कि देश के हित में देश और भी बड़े फैसले लेने वाला है। पूरा देश एक ही बात कह रहा है कि फिर एक बार मोदी सरकार।

केरल-बंगाल और छत्तीसगढ़ में बंपर वोटिंग, महाराष्ट्र-बिहार में 'सुस्ती'

13 राज्यों की 88 सीटों पर ईवीएम में कैद हुई प्रत्याशियों की किस्मत

नई दिल्ली (एजेंसी)। 18वीं लोकसभा के चुनाव के लिए सेकेंड फेज की 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 88 सीटों पर वोटिंग संपन्न हो गई है। 5 बजे तक त्रिपुरा में सबसे ज्यादा करीब 76.06 फीसदी वोटिंग हुई। महाराष्ट्र, बिहार और उत्तर प्रदेश में सबसे कम 53 फीसदी के आसपास मतदान हुआ। इससे पहले, छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में बूथ पर ड्यूटी के दौरान एक पुलिसकर्मी ने खुद को गोली मार ली। वह मध्य प्रदेश का रहने वाला है। तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि बंगाल की दो लोकसभा सीटों बालूरघाट और रायगंज में सेंट्रल फोर्सेस महिलाओं को वोटिंग से रोक रही थीं। बालूरघाट में बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार और तृणमूल वर्कर्स के बीच झड़प भी हुई। सेकेंड फेज में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, 5 केंद्रीय मंत्री, 2 पूर्व सीएम और 3 फिल्मी सितारे मैदान में हैं। इसके अलावा राहुल गांधी, शशि थरूर और हेमा मालिनी की सीट पर भी वोटिंग संपन्न हो गई है। आउटर मणिपुर के कुछ हिस्सों में दोबारा वोटिंग हो गई है। चुनाव आयोग ने इस सीट पर दो फेज में चुनाव की घोषणा की थी। 2019 में सेकेंड फेज की सीटों पर सबसे ज्यादा भाजपा को 50 और एनडीए के सहयोगी दलों ने 8 सीटें जीती थीं। कांग्रेस के खाते में 21 सीटें गईं थीं। अन्य को 9 सीटें मिली थीं। चुनाव आयोग के मुताबिक, दूसरे फेज में 1,202 कैंडीडेट्स मैदान में हैं। इनमें 1,098 पुरुष और 102 महिला उम्मीदवार हैं।

दमोह में घोड़े पर सवार होकर वोट देने आया दूल्हा

- खजुराहो में दो घंटे रुका रहा मतदान, एमपी की 6 सीटों पर वोटिंग संपन्न

भोपाल। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में मध्यप्रदेश की 6 सीटों सतना, रीवा, दमोह, खजुराहो, टीकमगढ़ और होशंगाबाद पर वोटिंग जारी है। दोपहर तीन बजे तक इन सीटों पर 46.50 फीसदी वोटिंग हुई है। सबसे ज्यादा होशंगाबाद सीट पर 55.79 फीसदी और सबसे कम रीवा सीट पर 37.55 फीसदी पर मतदान हुआ है। इससे पहले सुबह के समय मतदान केंद्रों पर वोटर्स की लंबी-लंबी लाइन नजर आई। लेकिन जैसे जैसे दिन चढ़ता गया और गर्मी बढ़ी तो पोलिंग बूथों पर मतदाताओं की संख्या में कमी दिखी। हालांकि हर वर्ग के वोटर ने मतदान को लेकर उत्साह दिखाया। युवाओं ने वोटिंग में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

शाह बोले-दिग्विजय की राजनीति से अब परमानेंट विदाई करो

- आशिक का जनाजा है, जरा धूम से निकले, गुना वालों को सिंधिया-केपी दो नेता मिलेंगे

राजगढ़ (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को मध्यप्रदेश के दौरे पर थे। सबसे पहले अशोकनगर पहुंचे। यहां पर गुना सीट से भाजपा प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थन में चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा गुना वालों आपको दो-दो नेता मिलेंगे। ज्योतिरादित्य भी मिलेंगे और केपी यादव भी मिलेंगे। केपी यादव ने इस क्षेत्र की बहुत अच्छी सेवा की है, उनकी चिंता आप मुझ पर छोड़ देना, आपको कुछ करने की जरूरत नहीं है। अमित शाह ने कहा- गुना वालों आपका यह महाराज विकास को लेकर सबसे ज्यादा समर्पित है। सिंधिया घराने ने इस क्षेत्र का लालन-पालन अपने बच्चे जैसे किया है। मैं राजा साहब के लिए वोट मांगने आया हूं। सिंधिया मेरे मित्र भी हैं, भाजपा के वरिष्ठ नेता भी हैं। इन्हें जिताते हुए यह याद रखना, सिंधिया

को दिया एक वोट नरेंद्र मोदी को जाएगा। इसके बाद वे दिग्विजय के गढ़ राजगढ़ के खिलचीपुर में चुनावी सभा करने पहुंचे। यहां पर बीजेपी प्रत्याशी रोडमल नागर के समर्थन में सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राजगढ़ को बंटाढार करना है क्या। दिग्गी राजा क्या मैंडेट मांगने आए थे। भागकर भोपाल चले गए, अब राजगढ़ आए हो। दिग्गी राजा के साथ बंटाढार शब्द जुड़ गया है। यहां बंटाढार करना है क्या। उन्होंने कहा अब समय आ गया है इन्हें राजनीति से परमानेंट विदाई देने का। दिग्विजय की विदाई आपको करना है। आशिक का जनाजा है, जरा धूम से निकले। सम्मान जैसी लीड से हराकर उनकी विदाई करना। उन्हें घर पर बिठाने का काम राजगढ़ वाले करें, यही कहने आया हूं। बता दें, राजगढ़ सीट से दिग्विजय सिंह कांग्रेस प्रत्याशी हैं।

ईरान के साथ ट्रेड करने वाली 3 भारतीय कंपनियां बैन

अमेरिका बोला-ईरान इनके जरिए रूस को ड्रोन्स दे रहा, अवैध व्यापार में भी शामिल

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका ने ईरान के साथ व्यापार करने पर भारत की तीन कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन कंपनियों पर आरोप है कि ये ईरानी सेना के साथ अवैध व्यापार और उनके लिए ड्रोन्स ट्रांसफर करने का काम करती थीं। अमेरिका के ट्रेजरी विभाग ने बताया कि यह बैन भारत के अलावा कई दूसरे देशों की कंपनियों, लोगों और जहाजों पर लगाया गया है। ये सभी गुप्त तरह से रूस तक ईरानी ड्रोन्स की डिलीवरी में अहम भूमिका निभाते हैं। इन ड्रोन्स का इस्तेमाल यूक्रेन के खिलाफ जंग में किया जाता है। जिन भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं, उनमें जेन शिपिंग, पोर्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटिड और सी आर्ट शिप मैनेजमेंट कंपनी शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान की कंपनी सहारा थंडर दूसरे देशों में उसकी कमर्शियल एक्टिविटीज का मुख्य जरिया है। यह ईरान की सेना के तहत काम करती है। सहारा थंडर ईरानी रक्षा मंत्रालय के लिए ईरानी सामानों की सेल और शिपमेंट का काम करती है। यह शिपमेंट रूस के अलावा चीन, और वेनेजुएला तक भी पहुंचाया जाता है। अमेरिकी विभाग ने बताया कि ईरान की सहारा थंडर कंपनी ने जहाज के लिए भारत की 2 कंपनियों (जेन शिपिंग और पोर्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटिड) के साथ कॉन्ट्रैक्ट साइन किया। इस जहाज को एक कंपनी ऑपरेट करती है। सहारा थंडर ने साल 2022 से जहाज को कई देशों में शिपमेंट डिलीवर करवाने के लिए इस्तेमाल किया है।

वैशाली जैन की आल इंडिया प्रोबेशनर्स में 10 वीं रैंक

- **अर्थ का 36वां स्थान, देश के 177 प्रोबेशनर्स आईएएस के फिक्सेसन में एमपी कैडर के 8 अधिकारी शामिल**

भोपाल। 2020 की यूपीएससी परीक्षा देकर 2021 बैच के आईएएस बनने वाली एमपी कैडर की आईएएस अधिकारी वैशाली जैन इस बैच के 177 अधिकारियों के बीच हुई परीक्षा में 10 रैंक हासिल करने में सफल रही हैं। डिपार्टमेंट आफ

पर्सनल एंड ट्रेनिंग (डीओपीटी) ने इन अधिकारियों की रैंकिंग जारी करने के साथ इनके द्वारा हासिल किए गए अंक की जानकारी भी दी है। एमपी कैडर के आठ अधिकारी इसमें शामिल हैं और वैशाली एमपी कैडर के अफसरों में पहले स्थान पर हैं। ये अधिकारी इन दिनों एमपी के अलग-अलग जिलों में एसडीएम के रूप में पदस्थ हैं और लोकसभा चुनाव में अपनी भागीदारी निभा रहे हैं। डीओपीटी द्वारा एलबीएसएनएए मसूरी की रिपोर्ट के आधार पर इसी माह जारी सर्कुलर में कहा है कि फिक्सेसन आफ इंटर से सीनियरिटी आफ आईएएस प्रोबेशनर्स आफ 2021 बैच की रैंकिंग जारी की गई है।

संदेशखाली में शेख के कई ठिकानों पर सीबीआई की रेड

- भारी मात्रा में गोला-बारूद और हथियार बरामद, कसता जा रहा शिकंजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में सीबीआई को एक बार फिर बड़ी सफलता हाथ लगी है। शाहजहां शेख के कई ठिकानों पर छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में गोला-बारूद और हथियार मिले हैं। बीते 5 जनवरी को पश्चिम बंगाल के राशन वितरण में 10 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा के हुए भ्रष्टाचार मामले में शाहजहां शेख के आवास पर ईडी की टीम छापेमारी करने पहुंची थी, लेकिन उस दौरान शेख के गुर्गों ने ईडी के अधिकारियों पर हमला कर दिया। इसके साथ ही अधिकारियों के साथ चल रहे अर्धसैनिक बलों के वाहनों को भी चारों ओर से घेर लिया था।

प्रदेश में फिर आंधी-बारिश कई जिलों में गिरा पानी

भोपाल। मध्यप्रदेश में एक बार फिर मौसम बदल गया है। शुक्रवार को कई जिलों में तेज आंधी और बारिश हुई। मंदसौर, छिंदवाड़ा, रतलाम, झाबुआ, धार, आगर मालवा और राजगढ़ में बारिश हुई। राजगढ़ के खिलचीपुर में तेज हवा के साथ बारिश हुई। जिससे केंद्रीय गृह मंत्री

अमित शाह की सभा का टेंट उड़ गया। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 24 घंटे में भोपाल, शाजापुर, बड़वानी, इंदौर और उज्जैन सहित कई जिलों में बारिश हो सकती है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, अप्रैल के आखिरी सप्ताह भी बारिश-आंधी का दौर रहेगा। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ), साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन की वजह से पिछले 6 दिन से अलग-अलग क्षेत्र में बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने 26 और 27 अप्रैल के लिए ऑरेंज और यलो अलर्ट जारी किया है। ऑरेंज अलर्ट वाले जिलों में ओले भी गिर सकते हैं। शुक्रवार को उत्तर

- **मंदसौर, छिंदवाड़ा में तेज बारिश, राजगढ़ में शाह की सभा का टेंट उड़ा**

और पश्चिमी हिस्से के ग्वालियर, नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, राजगढ़, शाजापुर, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, विदिशा और सागर में ओले-बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। अप्रैल में बारिश के कई रिकॉर्ड टूटे। भोपाल में करीब पौने 2 इंच बारिश हो गई। वहीं, अप्रैल में लगातार 11 दिन तक बारिश होने का रिकॉर्ड भी बना है। 7 अप्रैल से 17 अप्रैल तक प्रदेश में लगातार बारिश हुई है।

तेलंगाना सीएम बोले

एससी-एसटी, ओबीसी आरक्षण खत्म करने की हो रही साजिश

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को कहा कि बीजेपी और आरएएस साल 2025 तक एससी-एसटी, ओबीसी आरक्षण खत्म करने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए बीजेपी को लोकसभा चुनाव में 400 सीटों की आवश्यकता है। हैदराबाद में सीएम ने कहा कि बीजेपी-संघ के पास हटाने के लिए एकमात्र चीज एससी-एसटी, ओबीसी आरक्षण है। उन्होंने संविधान पर अंतिम युद्ध की घोषणा की है।

विदिशा जिले में मेगा ईवेंट आयोजनो की रूपरेखा तय

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने गुरूवार को स्वीप पार्टनरो से संवाद कर उन सबसे कहा है कि लोकसभा निर्वाचन 2024 के दरम्यान विदिशा जिले में सर्वाधिक मतदान प्रतिशत दर्ज हो इस कार्य में स्वीप पार्टनरो की महती भूमिका है। कलेक्टर श्री वैद्य ने शासकीय एवं अशासकीय सभी स्वीप पार्टनरो से कहा है कि आगामी दस दिवस में मतदाता जागरूकता पर आधारित वृहद स्तरीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए जो जिले में एकरूपता में आयोजित किए जाएं। उन्होंने कहा कि जिले में 11 लाख से अधिक मतदाता है उन सब तक मतदाता जागरूकता के तहत मतदान तिथि सात मई को संबंधित मतदान केन्द्र पर पहुंचकर मतदान जरूर करें ताकि विदिशा जिला सर्वोच्च मतदान के प्रतिशत के मामलो में रिकार्ड दर्ज कर सकें।

कलेक्टेथ्ट के बेतवा सभागार कक्ष में आयोजित इस बैठक में जिला पंचायत सीईओ व स्वीप के जिला नोडल अधिकारी डॉ योगेश भरसट ने कहा कि लोकसभा निर्वाचन के अब तक हुए चरणो में मतदान प्रतिशत आशातीत नहीं होने के फलस्वरूप अब तृतीय चरण में विदिशा जिले में मतदान होगा अतः जिला मतदान प्रतिशत के मामले में पिछडे ना इसके लिए विविध मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन जिले में किया जा रहा है किन्तु उसके सापेक्षित परिणाम परलिक्षित नहीं हो रहे है अतः अब मतदान तिथि के पूर्व वृहद मेगा ईवेंट सम्पूर्ण जिले में एकरूपता के अनुसार आयोजित किए जाएंगे ताकि लाखो मतदाताओं को एक ही स्ट्रोक में संदेश सम्प्रेषण का कार्य हो सकें। स्वीप के शासकीय व अशासकीय पार्टनरो से ततसंबंध में सुझाव आमंत्रित किए गए और इन सुझावों पर एकजाई मोहर लगाई गई है जिसके अनुसार आगामी दस दिवस में विभिन्न तिथियों पर ऐसे आयोजन किया जाएगा जिसका सम्पूर्ण विदिशा जिले में संभव हो सकें। शहरी क्षेत्र के मतदाताओं को जागरूक करने के लिए पूर्व से ही अनेक आयोजन सम्पन्न कराए जा चुके है अब शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में एक साथ एक ही दिन एक ही समय पर जो कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा कि तिथिवार जानकारी इस प्रकार से है। शनिवार 27 मई को मार्निंग एक्टिविटी व शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा इसके लिए विदिशा शहर में खासकर माधव उद्यान सहित अन्य उद्यानो में एकजाई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। सोमवार 29 तारीख को जिले के समस्त शासकीय अशासकीय विद्यालयों में मानव श्रृंखला, शपथ वाचन व पालक शिक्षक मीटिंग का आयोजन किया गया है। मंगलवार तीस अप्रैल को विदिशा के मतदाताओं ने ठाना है शत प्रतिशत मतदान का संदेश विभिन्न प्रकार की रैलियों का आयोजन किया जाएगा जिसमें मशाल, साइकिल, स्कूटी व वॉक मैराथन शामिल है।

एक मई को नारी शक्ति करे मतदान मिलके बढाए विदिशा का मान थीम पर आयोजन किया जाएगा इसी प्रकार दो मई को मतदाता आमंत्रण टीम को विदिशा के युवा मतदाता ने ठाना है अपना संकल्प निभाना है। चार को कार एवं टेथ्क्टर रैली, पांच को वोट फॉर विदिशा, कलश यात्रा एवं फन फेयर तथा छह को मार्च पास्ट डे का आयोजन किया जाएगा जिसमें पुलिस एवं अन्य सुरक्षा दल शामिल होंगे। बैठक में अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती मोहिनी शर्मा समेत विभिन्न सामाजिक संगठनो के पदाधिकारी व स्वंयसेवी संस्था, शैक्षणिक संस्थाओं के अलावा विभिन्न संगठनो के पदाधिकारी तथा शासकीय मीडिया पार्टनर संगठनो के पदाधिकारी मौजूद रहें।

संक्षिप्त समाचार

मतदान कर विद्यार्थियों ने जानी मतदान की प्रक्रिया

हरदा (निप्र)। लोकसभा निर्वाचन के दौरान मतदाताओं को मतदान के लिये प्रेरित करने हेतु मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। इसी क्रम में मतदाता जागरूकता गतिविधियों के तहत गुरूवार को हरदा शहर के मॉडल हायर सेकण्ड्री स्कूल में विद्यार्थियों के लिये मतदान आयोजित कर उन्हें मतदान की प्रक्रिया के बारे में बताया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने स्वयं मतदान कर मतदान की प्रक्रिया जानी। इसके अलावा शासकीय कन्या हायर सेकण्ड्री स्कूल में नारे लेखन प्रतियोगिता, रांगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई तथा लोकसभा निर्वाचन के लिये मतदान की शपथ दिलाई गई। तक्षशिक्षा एकेडेमी स्कूल में छात्रों ने नारे लेखन के माध्यम से मतदान के लिये प्रेरित किया। इसी तरह हरदा शहर के आंगनवाड़ी केन्द्रों में उपस्थित महिलाओं को मतदान की शपथ दिलाई गई।

शोकाज नोटिस जारी

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बुद्धेश कुमार वैद्य ने शासकीय महाविद्यालय विदिशा के प्राध्यापक डॉक्टर सतेन्द्र सिंह को निर्वाचन कार्यों में लापरवाही बरतने पर शोकाज नोटिस जारी कर तीन दिवस में अपना स्पष्टीकरण समक्ष में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। शासकीय महाविद्यालय विदिशा के प्राध्यापक डॉक्टर सिंह के द्वारा लोकसभा निर्वाचन 2024 की ड्यूटी से मुक्त किए जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया था जिस पर जिला मेडिकल बोर्ड का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे।

नवीन पाठ्यक्रम अनुसार डॉ. कलिका द्वारा लिखी किताब विमोचन

सीहोर (निप्र)। नई शिक्षा नीति -020 के अंतर्गत नवीन पाठ्यक्रम अनुसार शासकीय कन्या महाविद्यालय के डॉ. कलिका डोलस की लिखी तीसरी किताब का विमोचन सीईओ जिला पंचायत श्री आशीष तिवारी नेकियागया। डॉ. डोलस ने बताया की नई किताब में नई शिक्षा नीति 2020 के नवीन पाठ्यक्रम अनुसार स्नातक स्तर पर अनिवार्य विषय, आधार पाठ्यक्रम के द्वितीय वर्ष के विषय महिला सशक्तिकरण शीर्षक से लिखी गई है। जिसमें संपूर्ण पाठ्यक्रम का सरल भाषा में समावेश कर विद्यार्थियों के सुलभ संदर्भ केलिए100 से भी अधिक वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का समावेश किया गया है। छात्राएं इसके अध्ययन से अवश्य ही लाभान्वित होंगी। इससे पूर्व भी डॉ. डोलस की दो किताबें प्रथम वर्ष व्यावसायिक पाठ्यक्रम, व्यक्तित्व विकास की तथा मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी भोपाल द्वारा प्रकाशित गृह विज्ञान विषय मेजर प्रश्न पत्र प्रथम की किताब पारिवारिक संसाधन एवं गृह परिसज्जा कर से प्रकाशित हो चुकी है।

कृषि वैज्ञानिकों ने मूंग फसल का किया निरीक्षण

हरदा (निप्र)। कृषि विज्ञान केन्द्र, हरदा के वैज्ञानिक डॉ. सर्वेश कुमार व डॉ. मुकेश कुमार बंकोलिया ने गुरूवार को ग्राम नकवाड़ा, बूँदड़ा, बालागांव, कनारदा, सुखरास, कुकरावद व रहटा का भ्रमण कर ग्रीष्मकालीन मूंग फसल का निरीक्षण किया। कृषि विज्ञान केन्द्र प्रमुख डॉ. संध्या मूरे ने बताया कि वर्तमान में मूंग फसल वानस्पतिक वृद्धि व विकास की स्थिति में है, निरीक्षण के दौरान फसल में किसी प्रकार का रोग व कीटों का प्रकोप नहीं देखा गया। फसल सामान्य रूप में देखी गई। फसल की निरंतर निगरानी हेतु कृषकों को सलाह दी गई। निरीक्षण के दौरान मूंग की फसल पर भभूतिया रोग के लक्षण दिखाई देने पर नियंत्रण हेतु फफूंदनाशी दवा क्लोरोथेलोनील की मात्रा 500 ग्राम प्रति एकड़ अथवा टेबुकोनाजोलसल्फ़र 500 ग्राम प्रति एकड़ की दर से शाम या सुबह के समय छिड़काव करने की सलाह दी गई। मौसम को देखते हुए किसानों को मूंग फ़सल का निरंतर निरीक्षण करने की समझाइश दी गई और इल्ली आदि के नियंत्रण हेतु कीटनाशी दवा प्रोफेनोफास व सायपरमेथ्रिन 500 मिली प्रति एकड़ अथवा इंडोक्साकार्व 14.5 एस सी 200 मिली प्रति एकड़ की दर से 120-125 लीटर पानी के साथ पॉवर पम्प द्वारा सुबह शाम छिड़काव सुनिश्चित करने की भी सलाह दी गई। डॉ. मूरे ने किसानों से अपील की है कि फ़सल में किसी अन्य कीट रोग से संबंधित जानकारी के लिये कृषि विज्ञान केन्द्र, कोलीपुरा, हरदा में आकर या मोबाइल नम्बर 9713579386 व 7898516502 पर फ़ोन करके भी कृषि वैज्ञानिकों से परामर्श ले सकते हैं।

समर कैंप अब 5 मई तक चलेगा, हो रहे रजिस्ट्रेशन

नर्मदापुरम(निप्र)। हरदा बायपास रोड क्षेत्र में चल रहा समर कैंप 5 मई तक चलेगा। पहले यह 15 से 25 अप्रैल तक चल रहा है। बच्चों की सहभागिता व उत्साह को देखते हुए निशुल्क समर कैंप 10 दिन और बढ़ा दिया गया है। अब समर कैंप का समापन 5 मई को होगा। कैंप में शाम 5 से 6 तक निशुल्क बैडमिंटन प्रशिक्षण व 6 से 7 बजे तक निशुल्क आत्मरक्षा कराते प्रशिक्षण विशेष प्रशिक्षित कोच दे रहे हैं। इस कैंप में सभी उम्र के बच्चे व अभी तक इस कैंप में शामिल न हुए बच्चे भी रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं।

बाल विवाह की रोकथाम के लिए जिला स्तरीय निगरानी दलों का गठन

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह द्वारा गत दिवस सभी संबंधित विभागों को विवाह के विशेष अवसरो पर बाल विवाह होने की संभावना को दृष्टित रखे हुए जिला स्तर एवं अनुभाग स्तर पर बाल विवाह की रोकथाम के लिए दल गठित किये गये थे। कलेक्टर श्री सिंह द्वारा जारी निर्देशानुसार परियोजना, विकासखण्ड एवं जिला स्तर पर निगरानी दलों का गठन कर लगातार कार्यवाही कि जा रही है। जिले में किसी भी स्थान पर बाल विवाह होता है तो विभाग या सहयोगी संस्थाओं को जानकारी प्राप्त हो जाती है एवं सरकार द्वारा संचालित हेल्पालईन के माध्यम से भी सूचनाएं प्राप्त होती है। चाईल्ड हेल्पलाईन से ग्राम पाटेर तहसील श्यामपुर थाना अहमदपुर में 27 अप्रेल 2024 को बालिका निशा परिवर्तित नाम का बाल विवाह की सुचना प्राप्त होने पर जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास प्रफुल्ल खत्री ने तत्काल कार्यवाही करने के लिए दौराहा परियोजना अधिकारी श्रीमती माधवी सिंह को निर्देशित किया। श्रीमती माधवी सिंह द्वारा ग्राम पाटेर में विवाह स्थल पर पहुच कर बालिका के माता पिता से बालिका की आयु संबंधी दस्तावेज मांगे गये। पहले तो परिजनों ने बालिका के दस्तावेज बाताने से इंकार किया। परियोजना अधिकारी द्वारा जब बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम की जानकारी देते हुये बताया कि 18 वर्ष की आयु से पहले बालिका का विवाह अपराध है जिसमें आपको 2 वर्ष की सजा एंव 1 लाख रूपये का जुर्माना हो सकता है। तब बालिका की 10 वी कक्षा की मार्कशीट बताई गई जिसमें जन्मतिथि 19 दिसंबर 2006 के अनुसार बालिका 17 वर्ष 4 माह की होना पाई गई। टीम द्वारा बालिका के माता-पिता एवं परिजनों को समझाइस दी गई, इस पर सभी ने विवाह को निरस्त किया तथा शपथ पत्र एवं कथन दिया के बालिका का विवाह 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने के पश्चात ही करेंगे।

बोरवेल खुला पाए जाने पर मंडी थाने में एफआईआर दर्ज की गई

सीहोर (निप्र)। सीहोर तहसील केग्राम जमुनिया तालाब निवासी रामसिंह आत्मज तेज सिंह का बोरवेल खुला पाए जाने पर मंडी थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। यह एफआईआर ग्राम जमुनिया तालाब की पटवारी श्रीमती रीना त्यागी की रिपोर्ट के आधार पर भारतीय दंड संहिता 1860 की धारा 188 के अंतर्गत दर्ज की गई है। हल्का पटवारी ग्राम जमुनिया द्वारा 19 अप्रैल 2024 को पंचायत सचिव, चौकीदार तथा अन्य ग्राम वासियों के समक्ष निरीक्षण करने पर रामसिंह का बोरवेल खुला पाया गया। हल्का पटवारी द्वारा पुनः 24 अप्रैल 2024 को निरीक्षण किया गया जिसमें रामसिंह द्वारा बोरवेल को पन्नी से ढाका गया था, जो कि अत्यंत खतरनाक तथा दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती। बोरवेल को नियमानुसार पूर्णतः बंद नहीं करना तथा खुला रखना कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी द्वारा जारी आदेश के अंतर्गत दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 का उलंघन होना पाया गया। हल्का पटवारी ग्राम जमुनिया तालाब की रिपोर्ट के आधार पर तहसीलदार सीहोर श्री भरत नायक द्वारा मंडी थाने में एफआईआर दर्ज करने के लिए पत्र लिखा गया था।

विदिशा करेगा शत-प्रतिशत मतदान

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बुद्धेश कुमार वैद्य के मार्गदर्शन में विदिशा नगरीय क्षेत्र में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से विदिशा करेगा शत-प्रतिशत मतदान की थीम पर 10 दिवसीय मेगा इवेंट्स कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जिला पंचायत सीईओ एवं स्वीप के जिला नोडल अधिकारी डॉक्टर योगेश भरसट ने बताया कि मिशन 10 डेज के मेगा इवेंट्स अंतर्गत 27 अप्रैल को मॉर्निंग एक्टिविटी, 29 अप्रैल को पालक शिक्षक मीटिंग का आयोजन, 30 अप्रैल को बाइक रैली, मशाल रैली, साइकिल रैली, पैदल रैली आयोजन के अलावा 1 मई को सेमिनार, वेबीनार, फन फेयर एवं शपथ आयोजन, 2 मई को मतदाता मनुहार पाती, दस्तक अभियान (डोर टू डोर्स कैंपेन) एवं पीले चावल वितरण, 3 मई को चुनाव पाठशाला, नुक्कड़ नाटक, 4 मई को कार रैली, ट्रैक्टर रैली, 5 मई को कलश यात्रा एवं फन फेयर कार्यक्रम का आयोजन के अतिरिक्त 6 मई को पुलिस विभाग द्वारा मार्च पास्ट डे के रूप में नगर के प्रमुख मार्गो से मार्च पास्ट किया जाएगा।

मॉर्निंग एक्टिविटी 27 अप्रैल को : स्वीप गतिविधि अंतर्गत मतदाता जागरूकता हेतु इस 10 दिवसीय मेगा इवेंट्स कार्यक्रम के क्रम में 27 अप्रैल शनिवार की प्रातः 6रू30 बजे माधव उद्यान में मॉर्निंग एक्टिविटी का आयोजन किया गया है जिसमें वृद्ध मतदाता एवं मॉर्निंग वॉकर्स शामिल होंगे। उक्त कार्यक्रम में मतदाता जागरूकता की शपथ का वाचन कराया जाएगा।

पालक शिक्षक मीटिंग 29 को : स्वीप गतिविधि अंतर्गत 29 अप्रैल सोमवार को पालक शिक्षक मीटिंग थीम पर जिले के समस्त शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में मतदाता जागरूकता की शपथ का वाचन एवं मानव श्रृंखला का निर्माण किया जाएगा जिसमें समस्त शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय पार्टनर्स एवं सहयोगी होंगे।

बाइक, मशाल एवं सायकिल रैली एवं वॉक मैराथन 30 को : विदिशा नगरी क्षेत्र में मतदाता जागरूकता का संदेश देने के लिए 30 अप्रैल मंगलवार की सांय 5 बजे से संयुक्त रूप से बाइक रैली, मशाल रैली एवं साइकिल रैली का आयोजन किया जाएगा। विदिशा के मतदाता ने ठाना है, शत प्रतिशत मतदान करना है की थीम पर बाइक रैली, मशाल रैली, साइकिल रैली, स्कूटी रैली, वॉक मैराथन अलग-अलग स्थान से प्रारंभ होंगी जो जिला खेल स्टेडियम में पहुंचेंगी जहां म्यूजिकल फन के साथ कार्यक्रम का समापन किया जाएगा।

सेमीनार, वेबीनार, फन फेयर एवं शपथ एक मई को : नारी शक्ति करें मतदान मिलकर बढ़ाए विदिशा का मान की थीम पर एक मई बुधवार की प्रातः 11 बजे से विदिशा के रविंद्र नाथ टैगोर ऑडिटोरियम भवन एवं समस्त शासकीय एवं शासकीय महाविद्यालय में सेमीनार, वेबीनार, फन फेयर एवं मतदान की शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसमें नगर पालिका विदिशा, शासकीय कन्या महाविद्यालय विदिशा, शासकीय एवं अशासकीय नर्सिंग महाविद्यालय विदिशा, एस एटीआई इंजीनियर कॉलेज विदिशा एवं मेडिकल कॉलेज विदिशा पार्टनर्स एवं सहयोगी की भूमिका निभाएंगे।

डेढ़ लाख की रिश्वत लेते ट्रैप हुआ पटवारी मनोहर बिलावले, उज्जैन लोकायुक्त ने किया गिरफ्तार

देवास। आवेदक घनश्याम चौधरी ग्राम पटाडा जिला देवास के द्वारा दिनांक 24 अप्रैल 2024 को अनिल विश्वकर्मा पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त उज्जैन को शिकायत की थी कि हल्का 88 का पटवारी मनोहर बिलावले के द्वारा आवेदक की 14 बीघा जमीन का सीमांकन करने के लिए प्रति सीमांकन के 70 हजार के हिसाब से 210000/- रुपए की रिश्वत की मांग कर रहा है। उक्त शिकायत की तसदीक डीएसपी सुनील तालान के द्वारा करवाई गई। आरोपी पटवारी उक्त सीमांकन के लिए 190000 रुपए लेने पर सहमत हुआ जिसमें से पहली किस्त में डेढ़ लाख रुपए दिनांक। .. को लेना तय हुआ। शिकायत सत्य पाए जाने पर लोकायुक्त उज्जैन की आठ सदस्य दल के साथ ट्रैप प्लान तैयार किया गया। आवेदक के द्वारा आरोपी पटवारी से बात की तो उसने मांगलिया तिराहे इंदौर पर पैसे लेकर बुलाया जहां आवेदक घनश्याम चौधरी ने

नगद ?50000 तथा ?100000 का चेक जैसे ही पटवारी को दिया, पटवारी मनोहर बिलावली को रंगे हाथों रिश्वत लेते हुए लोकायुक्त टीम में पकड़ लिया। उक्त कार्रवाई में डीएसपी सुनील तालान, निरीक्षक दीपक सेजवार,आरक्षक संजय पटेल, आरक्षक संदीप कदम,आरक्षक नीरज राठौर, रमेश डाबर एवं शिक्षा विभाग के दो पंच साक्षी थे।

आपराधिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें- मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मतदान प्रतिशत बढ़ाने मतदाता जागरूकता गतिविधियाँ बढ़ायें

सीहोर (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग की विशेष निगाह है आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के खिलाफ सख्त प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जाए, जिससे मतदाताओं में विश्वास कायम हो और वे निर्भीक होकर अपने मताधिकार का उपयोग कर सकें। उन्होंने मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिये हर मतदान केन्द्र तक व्यापक स्तर पर मतदाता जागरूकता गतिविधियाँ बढ़ाने पर भी विशेष बल दिया। अवैध धन, मदिरा व अन्य मादक पदार्थ व अवैध हथियारों सहित अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त करें। साथ ही इस प्रकार की अवैध गतिविधियों में लिप्त असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि एसएसटी, एफएसटी व वीएसटी पूरी तरह मुस्तैद व सतर्क होकर काम करें। वल्नरेबल क्षेत्र के मतदान केन्द्रो में सुरक्षा के अतिरिक्त इंतजाम करने के निर्देश दिए। जिन भवनों में पाँच या उससे अधिक मतदान केन्द्र हैं वहाँ अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात करने के भी निर्देश दिए। जिन मतदान केन्द्रों में मतदाताओं की संख्या अधिक है वहाँ अतिरिक्त मतदान कर्मियों की तैनाती करें, जिससे मतदान सुचारू रूप से हो।गर्मी के मौसम को ध्यान में रखकर जिले में प्रत्येक मतदान केन्द्र पर पेयजल की पुख्ता व्यवस्था कराई जा रही है। मतदान केन्द्र से 100 मीटर की दूरी से संबंधित बोर्ड/बैनर लगाने का कार्य अभियान बतौर कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिये स्वीप के तहत सुनियोजित गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं।

वेब कास्टिंग की समुचित निगरानी पर जोर : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने कहा कि मतदान में बाधा डालने वाले तत्वों पर निगरानी रखने के लिये क्रिटिकल (संवेदनशील व अतिसंवेदनशील) मतदान केन्द्रों के भीतर व बाहर सीसीटीव्ही कैमरे लगाए जाएँ। इन कैमरों से होने वाली वेब कास्टिंग की निगरानी की पुख्ता व्यवस्था करें, इससे यदि किसी मतदान केन्द्र पर किसी भी प्रकार की अवांछित गतिविधि दिखाई दे, तो तत्काल कार्रवाई की जा सके।

चलो बूथ की ओर अभियान चलाएँ : मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए हर मतदान केन्द्र स्तर तक व्यापक स्तर पर मतदाता जागरूकता गतिविधियाँ चलाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि इसके लिए ÷चलो बूथ की ओर÷ अभियान चलाएँ। प्रत्येक मतदान केन्द्र से जुड़ी बस्तियों के हर घर तक यह संदेश पहुँचे कि 7 मई को सभी अपने मताधिकार का उपयोग अवश्य करें। मतदाताओं को वोट डालने के लिये घर-घर जाकर प्रेरित करने के लिये सभी जिला निर्वाचन अधिकारी प्रत्येक मतदान केन्द्र के लिये स्थानीय दल गठित करें। मतदान दिवस पर भी इस दल का सहयोग लेकर लोगों को मतदान के लिये बुलाएँ।

अधिक से अधिक आदर्श मतदान केन्द्र बनाएँ : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजन ने कहा सभी जिलों में ग्रामीण क्षेत्र के साथ-साथ खासकर शहरी क्षेत्रों में ज्यादा से ज्यादा आदर्श मतदान केन्द्र स्थापित किए जाएँ। इन केन्द्रों की सुविधाएँ ऐसी हों, जिससे अधिक से अधिक मतदाता वोट डालने के लिये प्रेरित हों। मतदाताओं का स्वागत वैलकम ड्रिंक्स से करें। जहाँ कतार लगती हो, वहाँ पर छाया की उत्तम व्यवस्था की जाए। प्रत्येक मतदान केन्द्र पर गर्मी के मौसम को ध्यान में रखकर पेयजल के अतिरिक्त इंतजाम भी किए जाएँ। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने निर्देश दिए कि 85 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्ग और 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले ऐसे दिव्यांग मतदाता, जिन्होंने फॉर्म-12डी में घर से वोट डालने के लिए सहमति दी है, उन घरों के रूट चार्ट की जानकारी सभी प्रत्याशियों को अवश्य दी जाए। उन्हें किस तिथि में वोट डलवाए जाने हैं यह भी उन्हें बताया जाए और घर पर कराए गए मतदान के सभी मतपत्र भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत कोषालय के डबल लॉक में रखे जाएँ। साथ ही निर्धारित तिथि को स्ट्रांग रूम में पहुँचाएँ।

श्रद्धा की साड़ियों का अवैध भंडारण, भक्त वंचित रहे मां के आशीर्वाद से

आरोपी को बचा रहे हैं अधिकारी

बिरसिंहपुर पाली। क्षेत्र में हजारों भक्तों की श्रद्धा का केंद्र बिरासनी माता का मंदिर इन दिनों विवादों का केंद्र बना हुआ है। आए दिनों इस मंदिर के प्रबंधन की अनियमितताएं समाचार पत्रों की सुर्खियां बनती रही है। माता के इस मंदिर में आने वाले श्रद्धालु अपनी अपनी हैसियत से माता को नारियल सहित चुंदड़ी, साड़ियां आदि भेंट करते हैं।

व्यवस्था तो यह है कि प्रबंधन बिना पक्षपात के इच्छुक भक्तों को निर्धारित शुल्क 100 रुपए लेकर बतौर प्रसादी साड़ी देते हैं। बीती नवरात्रि में भक्त जन इस प्रसादी के लिए भटकते रहे। लेकिन उन्हें साड़ियां नहीं मिल सकी। इस अनियमितता पर कतिपय भक्तों ने इसकी शिकायत मुख्यमंत्री तक पहुंचाई तब मंदिर का प्रबंध संभाल रहे अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) के आदेश पर तहसीलदार ने छापामार कार्यवाही करते हुए मंदिर के पुजारी गोपाल पांडा के कब्जे से साड़ियों और चुनरियों का विशाल भंडार बरामद किया। होना तो यह चाहिए था कि वे पुजारी के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही करते, उन्होंने ऐसा ना कुछ करते हुए भंडार गृह से पुजारी का ताला हटाकर मंदिर समिति का ताला लगा दिया। क्षेत्र के नागरिकों की मांग है कि समस्त साड़ियों, चुनरियों, नारियल आदि का भौतिक सत्यापन कर पंचनामा बनाया जाए। श्रद्धालुओं का आरोप है कि निहित स्वार्थीयों द्वारा माता को भेंट में चढ़ाई गई साड़ियां उनकी गुणवत्ता के आधार पर बाजार में बेच दी जाती है, इसलिए भक्तों को साड़ी वितरण करने से बचने का प्रयास किया जाता है।

उल्लेखनीय है कि शासनाधीन मंदिरों में भेंट की गई हर तरह की सामग्री का हिसाब रखा जाता है। लेकिन इस मंदिर में जिम्मेदारों ने सब अधिकार अपने कृपा पात्र पुजारी पण्डा को दे रखे हैं। जिसे अवैध भंडारण के आरोप में रंगेहाथों पकड़ा गया है। लेकिन उस पर वैधानिक कार्यवाही न करने पर अब सवाल उठाए जा रहे हैं।

नर्मदापुरम में महिला ने किया सुसाइड

नर्मदापुरम(निप्र)। नर्मदापुरम शहर के शांतिनगर में पति की मौत के बाद डिप्रेशन में चल रही महिला ने गुरुवार को घर में फांसी लगा खुदकुशी कर ली। मृतका के पति स्व. चंदन सुरेले की एक महीने पहले बीमारी के चलते मौत हो गई थी। तभी से महिला तनाव में थी। गुरुवार सुबह करीब 10 बजे उसने घर में टीनशेड से बने कमरे में फांसी लगा ली। सास रामबाई ने बहू के शव को फांसी के फंदे पर लटका देख जोर से चीखा। आवाज सुन पड़ोसी घर पर पहुंचे। सूचना मिलने के बाद देहात थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मृतका के परिजन भी घटनास्थल पहुंचे। पुलिस ने तहसीलदार को बुलाकर पंचनामा कराया। एफएसएल व फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट ने भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटाएं। महिला के गले पर फांसी के फंदे के अलावा कोई भी चोट के निशान नहीं मिले। पोस्टमर्टम कराकर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की।

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...
इंदौर, शनिवार 27 अप्रैल, 2024

निगमायुक्त को ऑब्जर्वर बनाकर आंध्र भेजा, अब ड्यूटी निरस्त कराने के प्रयास भी

इंदौर। अमूमन मैदानी अधिकारियों की ड्यूटी चुनाव आयोग द्वारा नहीं लगाई जाती है। खासकर कलेक्टर, निगमायुक्त या अन्य महत्वपूर्ण पदों पर पदस्थ अधिकारियों की, लेकिन गलती से निगमायुक्त शिवम वर्मा की चुनाव आयोग ने ड्यूटी लगा दी और ऑब्जर्वर बनाकर उन्हें आंध्रप्रदेश भेज दिया। दो दिन पहले वे इंदौर से रवाना भी हो गए। अब उनकी ड्यूटी कैंसल करवाने के प्रयास चल रहे हैं, क्योंकि निगम का कामकाज तो प्रभावित होगा ही, वहीं चुनावी तैयारियों पर भी इसका असर पड़ेगा। कलेक्टर ने भी ड्यूटी निरस्ती का अनुरोध करते हुए आयोग को पत्र लिखा है। दरअसल, आयोग द्वारा आईएएस और आईपीएस सहित अन्य अधिकारियों की इसी तरह ड्यूटी लगाई जाती है, जो अन्य राज्यों में जाकर ऑब्जर्वर के रूप में चुनाव प्रक्रिया को सम्पन्न करवाते हैं। जैसे इंदौर में भी सामान्य, व्यय और पुलिस प्रेक्षकों के रूप में अन्य राज्यों के ही अधिकारियों को भेजा गया है। लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया शुरू होने पर देशभर में पदस्थ अधिकारियों की सूची बनाई जाती है और सभी राज्यों से भी उन अधिकारियों के नाम मांगे जाते हैं। इसमें फिल्ड यानी मैदान में पदस्थ अधिकारियों को छोड़कर जो वल्लभ भवन या अन्य विभागों में पदस्थ रहते हैं अमूमन उन्हीं की ड्यूटी लगाई जाती है। इंदौर निगमायुक्त जो कि पहले यूडीए में पदस्थ थे इसलिए उनका नाम सामान्य प्रशासन विभाग से आयोग को चला गया और इसी बीच उनका तबादला इंदौर निगमायुक्त के रूप में हो गया और उन्होंने आकर अपना कार्यभार भी संभाल लिया। मगर चूंकि आयोग के पास उनका नाम चला गया था और उसके बाद फिर निरस्त नहीं हो पाया। इसके चलते ऑब्जर्वर के रूप में उनकी ड्यूटी लग गई और उन्हें दो दिन पहले आंध्र प्रदेश के लिए रवाना होना पड़ा। चूंकि इंदौर नगर निगम का काम महत्वपूर्ण है।

चेंबरों पर बनाए खतरे के निशान

इंदौर। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत बनाई गई सडक़ों के आसपास इलेक्ट्रिक डक्ट भी बनाये गये थे, जहां बिजली की लाइनों से लेकर टेलीफोन और अन्य लाइनें हैं। अब उनकी सुरक्षा के लिए चेंबरों पर खतरे के निशान बनाने के साथ-साथ इलेक्ट्रिक डक्ट की सूचना दर्ज की जा रही है, ताकि वहां कोई गड़बड़ी ना हो। करीब तीन साल पहले कृष्णपुरा छत्री से लशेकर नंदलालपुरा चौराहे तक की सडक़ स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत बनाई गई थी और इसमें बिजली के झूलते तारों को हटाने के साथ-साथ कई लाइनों को अंडरग्राउंड किया गया था और इनके अलग-अलग डक्ट बनाये गये थे।अधिकारियों के मुताबिक कई बार इलेक्ट्रिक डक्ट को ड्रेनेज चेंबर समझकर वहां आसपास के हिस्सों में निगम की टीमें खुदाई कर देती है और जनसाधारण को भी इसकी जानकारी रहे इसी के चलते सभी ऐसे अंडरग्राउंड डक्टों के आसपास खतरे का निशान बनाकर इलेक्ट्रिक डक्ट की सूचना लिखी जा रही है। अफसरों के मुताबिक ऐसे सभी स्थानों पर यह सूचनाएं दर्ज की जाएंगी और दो दिनों से यह सिलसिला शुरू किया गया है। हालांकि शहर के कई इलाकों में बनाई गई सडक़ों पर कई जगहों इलेक्ट्रिक डक्ट विद्युत मंडल की मदद से अलग स्थानों पर छोटी डीपी बनाकर शिफ्ट कर दिये गये थे, लेकिन कुछ जगह सडक़ पर अंडर ग्राउंड डक्ट बनये गये हैं।

आईजी ग्रामीण पहुंचे देपालपुर थाने और एसडीओपी ऑफिस

इन्दौर। आईजी ग्रामीण कल अचानक देपालपुर एसडीओपी ऑफिस और थाने पहुंचे व निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने स्टाफ की समस्या सुनी और चुनाव के मद्देनजर आवश्यक निर्देश दिए। कल आईजी ग्रामीण अनुराग और डीआईसी निमिष अग्रवाल अचानक पहले एसडीओपी देपालपुर के आफिस पहुंचे और फिर देपालपुर थाने।यहां थाना परिसर, मालखाना, हवालात और रिकॉर्ड का निरीक्षण किया। कुछ गलतियां मिलीं, जिनमें सुधार करने के निर्देश दिए। इसके अलावा थाने के स्टाफ से एक-एक कर चर्चा की और उनकी समस्या सुनी। वहीं कुछ समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया। वहीं उन्होंने स्टाफ से लोकसभा चुनाव की तैयारी के बारे में पूछा और आवश्यक निर्देश दिए। बताते हैं कि वे कुछ दिनों से लगातार रेंज के थानों का निरीक्षण कर रहे हैं।

पति की क्रूरता, पत्नी को गर्म चिमटे से दागा

इंदौर। महिला न घर के अंदर सुरक्षित है और न ही पुलिस कैंपस में। एक महिला को उसके पति ने गर्म चिमटे से दाग दिया। उसका कसूर सिर्फ इतना था कि वह फोन पर बड़ी बहन से बात कर रही थी। वहीं एक महिला के साथ पुलिस थाने के बाहर मारपीट हुई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दोनों मामलों में पुलिस केस दर्ज हुए हैं। लसूडिय़ा पुलिस ने बताया कि कैलोद कांकड़ की रहने वाली आरती अग्रवाल की शिकायत पर उसके पति राहुल के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरती का आरोप है कि पति राहुल ने बेटे को पैसे देकर दुकान पर सामान लेने भेज दिया और फिर मारपीट करते हुए गर्म चिमटे से जगह-जगह दाग दिया। आरती के गाल, गर्दन और कंधे पर गर्म चिमटे से दागने के निशान हैं। आरती बड़ी बहन से फोन पर बात करती थी। उसका पति इसका विरोध करता था।

ऑटो रिक्शा से जब्त की चार पेटी देशी शराब

इंदौर। लोकसभा निर्वाचन के दौरान इंदौर जिले में लगातार अवैध शराब की बिक्री और परिवहन पर रोक लगाने के लिए जांच की जा रही है। आबकारी विभाग के सभी वृत की टीमें लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में गुरुवार को बाणगंगा चौराहे के पास ऑटो को रोककर तलाशी ली गई, तो चार पेटी विधि से शराब पाई गई। ऑटो और शराब को जब्त करने के साथ ही आरोपित को भी गिरफ्तार किया गया।इंदौर जिले में लोकसभा निर्वाचन के मद्देनजर मदिरा के अवैध क्रय-विक्रय, परिवहन, भंडारण की रोकथाम के लिए कलेक्टर आशीष सिंह के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग के दलों द्वारा लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। सहायक आबकारी आयुक्त मनीष खरे के निर्देशन में आबकारी वृत भोई मोहल्ला प्रभारी उपनिरीक्षक शालिनीसिंह द्वारा बाणगंगा शमशान घाट चौराहा के पास से तीन पहिया वाहन से चार पेटी देशी शराब प्लेन पकड़ी गई। अवैध परिवहन करते आरोपी दीपक पिता मानसिंह राजपूत निवासी भागीरथपुरा इंदौर को पकडा गया। वाहन और मदिरा जब्त कर कब्जे आबकारी लेकर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार करते हुए प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। जब्त वाहन व मदिरा का अनुमानित बाजार मूल्य लगभग एक लाख 35 हजार रुपये है। आबकारी विभाग के समस्त वृत्तों द्वारा की गई कार्यवाही में कुल 32 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। इसमें 312 लीटर मदिरा जब्त की गई तथा 1370 लीटर महुआ लहान जब्त कर मौके पर नष्ट किया गया । उक्त जब्त समस्त सामग्री का बाजार मूल्य 2.08 लाख रुपये है।

सिंहस्थ 2028 की तैयारी में जुटा प्रशासन और नगर निगम का अमला

● कान्हा नदी में मिलने वाला गंदा पानी 8 एसटीपी प्लांट से रोकेंगे ● कलेक्टर ने निगम अफसरों के साथ चोइथराम मंडी, पालदा, गारीपीपल्या, मांगलिया, कुमेड़ी और बरदरी का किया दौरा

इंदौर। सिंहस्थ 2028 के चलते प्रोजेक्ट नमामि गंगे और अमृत-2 के तहत शहर में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाने से लेकर कान्ह में मिलने वाले गंदे पानी को रोकने के लिए तमाम कार्य किए जाने हैं। इसको लेकर कलेक्टर आशीष सिंह ने निगम के कई अपर आयुक्तों और अफसरों के साथ विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया और एसटीपी और सीईपीटी बनाए जाने वाले स्थानों का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने अफसरों को स्पष्ट निर्देश दिए कि एक्सपर्ट की सलाह के बगैर कोई भी कार्य नहीं किया जाए।

कलेक्टर आशीष सिंह ने कल अफसरों के साथ करोड़ों के एसटीपी और उससे संबंधित अन्य कार्यों को लेकर अफसरों से जानकारी ली। बताया गया कि इसके लिए प्रोजेक्ट अमृत-2 और नमामि गंगे से करीब 600 करोड़ की राशि मिलना है और इसी के तहत प्रोजेक्ट तैयार किए जाएंगे। वहां बनने वाले एसटीपी और अन्य कार्यों के माध्यम से कान्ह नदी में मिलने वाले गंदे पानी के आउटफाल्स के साथ-साथ कई नालों का पानी भी रोका जाएगा। इसके लिए पहले दौर में सभी ऐसे स्थानों की सूची तैयार करने को कहा गया है, जहां औद्योगिक क्षेत्रों

के साथ-साथ अन्य रहवासी इलाकों का पानी भी कान्ह नदी के हिस्सों में जाता है । कान्ह नदी के अलग-अलग हिस्सों में गिरने वाले आउटफाल्स पहले ही मध्य क्षेत्र से लेकर कई अन्य इलाकों में बंद किए जा चुके हैं, लेकिन कई औद्योगिक क्षेत्र और अन्य क्षेत्रों में अभी भी नालों का गंदा पानी कान्ह नदी के हिस्सों में मिलता है । इसको लेकर नगर निगम ने अपने स्तर पर तैयारियां की हैं और औद्योगिक एवं घरेलू अपशिष्ट के निपटान हेतु एफल्यूंट ट्रीटमेंट प्लांट एवं सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाए जाना हैं । यह प्लांट चोइथराम मंडी, पालदा, गारीपीपल्या, मांगलिया, कुमेड़ी, बरदरी, बांगड़दा, सुपर कॉरिडोर क्षेत्र में बनाए जाएंगे। करोड़ों के एसटीपी और सीईपीटी बनाए जाना हैं । इसके लिए कुछ जगह जमीन भी मिल गई हैं और कुछ जगह विवाद है, जिसका निराकरण आने वाले दिनों में होने की संभावना है । निरीक्षण के दौरान नगर निगम अपर आयुक्त सिद्धार्थ जैन, एसडीएम ओम बड़कुल, सहायक यंत्री आरएस देवड़ा, उपयंत्री आकाश जैन, शुचि सिंघई सहित निगम के कई अधिकारी मौजूद रहे ।

इंदौर आईआईटी की भी मदद लेंगे

नगर निगम अफसरों के मुताबिक इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट को लेकर प्रशासन और नगर निगम का यह प्रयास है कि कान्ह नदी के हिस्सों में खासकर बरदरी, कुमेड़ी, सांवेर रोड के साथ-साथ सुपर कॉरिडोर और कई अन्य इलाकों में गंदे नालों का पानी कान्ह नदी में मिलने से रोकना है, ताकि इसका गंदा पानी शिप्रा तक न पहुंचे। इस मामले में कलेक्टर ने कहा है कि इंदौर आईआईटी के एक्सपर्ट की मदद भी ली जाए, ताकि काम बेहतर ढंग से हो सके।

कई क्षेत्रों में फिर शुरू होंगे बड़े 7 पैमाने पर लाइनें बिछाने के काम

नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक औद्योगिक क्षेत्र सांवेर रोड से लेकर निपानिया गांव, ट्रांसपोर्ट नगर, पंचवटी, कुमेड़ी, बरदरी, अरबिंदो के अलावा कई अन्य क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर गंदे पानी के आउटफाल्स रोकने के लिए ड्रेनेज की बड़ी नई मेन लाइन बछाई जाएगी, ताकि उनमें आसपास के क्षेत्रों के ड्रेनेज कनेक्शन जोड़े जा सकें, ताकि उनका पानी कान्ह नदी में जाने से रोका जा सके।

मच्छरों का प्रकोप: जनता परेशान लेकिन जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

इंदौर। इन दिनों शहर में मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है। इसका मुख्य कारण है फागिंग न होना। नगर निगम के 19 जोन हैं। प्रत्येक जोन में दो-दो फागिंग मशीन हैं। इसके अलावा दो बड़ी फागिंग मशीन भी हैं। बता दें कि मलेरिया विभाग के पास 35 तो नगर निगम के पास सिर्फ 25 कर्मचारी हैं, जिन्हें मच्छरों का प्रकोप कम करने की जिम्मेदारी मिली है।अधिकारियों के मुताबिक, मच्छरों के बढ़ने का कारण तापमान में उतार-चढ़ाव है, क्योंकि गर्मी अधिक नहीं होने के कारण मच्छर तेजी से पनप रहे हैं। शहर तापमान, वर्षा और आर्द्रता में वृद्धि के साथ मौसम परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जिससे मच्छरों का घनत्व बढ़ रहा है। हाल ही में कांग्रेस ने भी इस मुद्दे को उठाया था। इसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि मच्छरों के प्रकोप को कम करने के लिए दवाइयों का छिड़काव भी नहीं हो रहा और 19 जोनों में दी गई अधिकांश मशीनें भी खराब पड़ी हैं।इस मौसम में क्यूलेक्स मच्छरों का प्रकोप रहता है। ये मच्छर डेंगू या मलेरिया नहीं फैलाते हैं, बल्कि नालों में रुके हुए पानी में में पनपते हैं। जल निकासी लाइनों में दुर्गम पानी भी इनके पनपते का कारण है। वहीं एडीज और एनोफेलीज डेंगू और मलेरिया फैलाते हैं, लेकिन अभी इनका प्रकोप अधिक नहीं है। गर्मी में इस प्रकार के मच्छरों का घनत्व बढ़ जाता है, क्योंकि लोग बिना ढंके कंटेनरों में पानी जमा करते हैं।

बाहर निकलना हो गया मुश्किल

शहरवासियों का कहना है कि हम न केवल अपने घर के पास, बल्कि कार्यालय या शहर में कहीं भी जा रहे हैं तो मच्छर मंडराते रहते हैं। अपने घरों की खिड़कियां और दरवाजे भी खुल रखना बंद कर दिए हैं, लेकिन सार्वजनिक स्थानों पर या सार्वजनिक परिवहन में हम क्या कर सकते हैं।

बढ़ने लगी गंदगी

स्वच्छ सर्वेक्षण समाप्त होने के बाद शहर में एक बार फिर स्वच्छता को लेकर सुस्ती का आलम नजर आने लगा है। शहर की सड़कों पर गंदगी भले ही नजर न आए लेकिन गलियों और कालोनियों के भीतर की सड़कों की सफाई छह वर्षों से देश के सबसे स्वच्छ शहर घोषित हो रहे इंदौर को मुंह चिढ़ा रही है।

घोटाला: एक दिन में 500 चैंबर बनाए, सौ करोड़ से अधिक पहुंचा घोटाला

इंदौर। नगर निगम का ड्रेनेज विभाग घोटाले के मामले में उफान पर है। इस बार 70 करोड़ का घोटाला उगला है। निगम की जांच कमेटी ने गुरुवार को 50 फाइलें जब्त की हैं। जालसाजों ने एक दिन में 500 से ज्यादा चैंबर बनाना और पांच किमी तक लाइन खोदना दर्शा कर भुगतान भी ले लिया।एमजी रोड थाने में 28 करोड़ रुपये की गड़बड़ी की एफआइआर दर्ज होने के बाद निगमायुक्त शिवम वर्मा विभागीय जांच करवा रहे हैं। निगम की चार सदस्यीय जांच कमेटी ड्रेनेज विभाग की फाइलें खंगाल रही थी कि ऐसा बंडल हाथ लगा, जिसमें 70 करोड़ रुपये का फर्जीवाड़ा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक जब्त फाइलें ब्लैक लिस्टेड ठेकेदार मोहम्मद सिद्दीक, मोहम्मद साजिद, मोहम्मद जाकिर, रेणु वढ़ेरा और राहुल वढ़ेरा की हैं। कुछ अन्य ठेकेदारों के नाम भी हैं, लेकिन अफसर खुलकर नहीं बता रहे।इन फाइलों में जनकार्य, उद्यान कार्य, लाइन खोदाई और ड्रेनेज संबंधित कार्य दर्शाए गए हैं। ठेकेदारों ने एक दिन में 500 से ज्यादा चैंबर बनाना और पांच किमी तक की लाइन खोदना बताया, जो व्यवहारिक रूप से संभव ही नहीं है। कमेटी अब रिपोर्ट

बना रही है। जिन लोगों ने गड़बड़ी की उन पर भी कार्रवाई की तैयारी है। ठेकेदार खुद ही फाइल ले गए और आडिट विभाग ने स्वीकृत कर दी निगम अफसर ठेकेदारों के इशारे पर काम कर रहे थे। ठेकेदारों ने जाली बिल, स्वीकृति, निविदा बनाकर फाइलें तैयार की और अफसर-बाबुओं से साइन करवाते गए। फाइलें आवक-जावक शाखा से गुजरी ही नहीं। खास बात यह कि आडिट विभाग ने भी ठेकेदारों की शक्ल देखकर भुगतान की स्वीकृति दे दी। जिन फाइलों में गड़बड़ी हुई वो संबंधित शाखाओं में गई ही नहीं। कमेटी को नौ अन्य फाइलों की तलाश है जिनमें घोटाला हुआ है।

सीसीटीवी फुटेज में नहीं दिखे चोर

पुलिस एग्जीक्यूटिव इंजीनियर (ईई) सुनील गुप्ता के बयानों की भी जांच कर रही है। गुप्ता द्वारा ही मार्च में 20 फाइलों की चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। गुप्ता का दावा है कि निगम परिसर में खड़ी कार से फाइलें चोरी हुई है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज निकाले तो कर्मचारी परिसर में खड़े नजर आए लेकिन कार से फाइल निकालने के फुटेज नहीं मिले। जिन फाइलों में चोरी हुई, उनमें गुप्ता के भी हस्ताक्षर हैं। टीआइ विजय सिंह सिसोदिया के मुताबिक जांच के लिए नमूने लिए गए हैं।

वादे हैं वादों का क्या...जिला अस्पताल शुरू करने का किया था दावा, अभी भी अधूरा

इंदौर। स्वास्थ्य मूलभूत सुविधाओं में आता है जो गरीब से लेकर अमीर तक को मिलना ही चाहिए। अमीर तो फिर भी निजी अस्पतालों में जाकर इलाज करवा सकते हैं लेकिन गरीबों के सरकारी अस्पताल ही एकमात्र सहारा होते हैं, सरकार की अनदेखी उन गरीबों पर दोतरफा मार करती है, एक तो वे पैसे के अभाव में निजी में इलाज नहीं करवा पाते और दूसरा वे अपनी जान तक गंवा देते हैं। शहर के सांसद, विधायकों का भी इस ओर ध्यान नहीं है, उन्हें अपनी प्राथमिकता में इसे लेकर इसका निर्माण पूरा करवाना चाहिए।%वादे हैं वादों का क्या...% यह कहावत इस समय जिला अस्पताल की नई बन रही बिल्डिंग पर सटीक बैठती हुई नजर आ रही है। यहां बार-बार भोपाल के अधिकारी आकर शहरवासियों से इसके शुरू होने का वादा करके चले जाते हैं, लेकिन इसपर अमल आज तक नहीं हो पाया है। कछुए की तरह रेंगते हुए चल रहे अस्पताल का निर्माण कार्य कब पूरा होगा यह किसी को पता नहीं है।

दो माह पहले एसीएम मो. सुलेमान और आयुक्त सुदाम खाड़े यहां निरीक्षण के लिए पहुंचे थे। निरीक्षण के दौरान अस्पताल निर्माण की गतिविधियों को देखा था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि अप्रैल तक 100 बेड का अस्पताल शुरू हो जाएगा, तल और प्रथम मंजिल बन जाएगी। लेकिन वास्तविक हालात यह है कि अभी इसका निर्माण कार्य ही पूरा नहीं हो पाया है।ऐसे में अभी इसे शुरू होने में और कितना समय लगेगा, यह कह पाना मुश्किल है। यह पहली बार नहीं है जब जनप्रतिनिधि और अधिकारी जिला अस्पताल का निर्माण कार्य पूरा होने की बातें कर चुके हैं। छह वर्षों में कई बार इस तरह के वादे कर यह वाहवाही तो लूट चुके हैं, लेकिन अमल नहीं कर पाएं हैं। कभी कोरोना, तो कभी ठेकेदार की लापरवाही का हवाला देते हुए निर्माण कार्य पूरा नहीं होने की बात कहते हैं। अस्पताल का निर्माण कार्य पूरा नहीं होने के कारण मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

बता दें कि निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कहा था कि अस्पताल निर्माण में ड्राइंग और डिजाइन के कारण देरी हो रही है। एक वर्ष में दो मंजिल और बन जाएगी। इस दौरान सीटी स्कैन और एमआरआइ मशीन लगाने की जगह भी इन्होंने देखी थी। सिविल सर्जन डा. गिरधारी लाल सोढ़ी ने बताया कि हाउसिंग बोर्ड इसका निर्माण कर रहा है। लेकिन अभी तक इसका निर्माण कार्य पूरा नहीं हो पाया है।

300 बेड का बन रहा अस्पताल

जिला अस्पताल 300 बेड का बनाया जा रहा है। जिससे शहर के साथ ही संभागभर से आने वाले मरीजों को इलाज की सुविधाएं मिल सकेगी। वर्तमान में अस्पताल के नाम पर सिर्फ यहां स्त्री एवं प्रसूति विभाग को शुरू किया गया है। अन्य बीमारियों से पीड़ित मरीजों को यहां भर्ती करने की व्यवस्था भी नहीं है। जिला अस्पताल की नई इमारत तैयार होने के बाद यहां एमआरआइ, सीटी स्कैन जैसी मशीनें भी स्थापित की जाना है जो पहले से स्वीकृत हैं। जिसका सबसे ज्यादा फायदा पश्चिम इंदौर की 15 लाख जनसंख्या को मिलेगा।

निजी अस्पताल जाने पर मजबूर मरीज जिला अस्पताल के काम की गति धीमी होने का सबसे ज्यादा खामियाजा पश्चिम क्षेत्र की जनता ही हो रहा है। उन्हें छोटे मोटे उपचार के लिए भी निजी अस्पताल जाना पड़ रहा है। जिला अस्पताल पर नूरानी नगर, चंदन नगर, सिरपुर, बांक, द्वारकापुरी सहित दर्जनों कॉलोनियों और बस्तियों के रहवासी आश्रित हैं। आसपास के दो दर्जन से अधिक गांव के लोग भी यहां इलाज के लिए आते हैं। जिला अस्पताल की सुविधा नहीं होने से मरीजों को परेशान होना पड़ रहा है।

सनातनी समाज में शिक्षक का महत्व

इंदौर। एक शिक्षक पूरे समाज को गढ़ता है। इसलिए सनातनी संस्कारों में गोविंद से भी पहले गुरु को स्थान दिया गया है। सनातन संस्कारों में देश को रंगने में जुटी भगवा पार्टी ने बड़ी सूझबूझ से शिक्षाविद स्वप्निल कोठारी को अपने साथ जोड़ा और अब कोठारी तमाम शिक्षकों को भगवादल से जोड़ रहे हैं। एक शिक्षक की अहमियत शायद कांग्रेस ठीक से समझ नहीं सकी, वरना 'हाथ' से जाने न देती। खैर, गत दिनों कोठारी की अगुआई में हुए समागम में शहरभर के शिक्षक एक जाजम पर इकट्ठा हुए। यहां सांसद शंकर लालवानी भी थे जिन्होंने गुरुओं से संवाद किया, कुछ उनकी सुनी और कुछ अपनी सुनाई। समाज में शिक्षक ही है जो अहिंसक धनोपार्जन करता है और इसलिए उनकी वाणी में प्रभाव होता है। इस समागम का संदेश शिक्षक कितनी दूर तक पहुंचाएंगे, यह विचार कांग्रेस की चिंता बढ़ा सकता है।

संजय शुक्ला ने जब से कांग्रेस का दामन छोड़ा है, राजनीतिक सक्रियता ज्यादा बढ़ गई है। उनका जाना कांग्रेस के लिए झटका था, लेकिन वे इसके बाद लगातार पार्टी को झटके देने में जुटे हैं। एक नंबर विधानसभा में बड़ी संख्या में कांग्रेसी नेताओं को भाजपा की सदस्यता दिलाते हुए क्षेत्र में अपना शक्ति प्रदर्शन भी कर दिया। बाणगंगा क्षेत्र में शुक्ला परिवार का प्रभाव पहले से था और शहर में भाजपा को खड़ा करने में भी स्व. विष्णु प्रसाद शुक्ला ने पसीना और पूंजी दोनों खर्च की। प्रदेश के मुख्यमंत्री की आयोजन में आमद ने शुक्ला का नई पार्टी में कद और बढ़ा दिया है। राजनीति के गलियारों में चर्चा है कि क्षेत्र के विधायक कैलाश विजयवर्गीय भी अपना प्रभाव दिखाने को तैयार हैं। आने वाले दिनों में कुछ और कांग्रेसी चेहरे भगवा दुपट्टा ओढ़ने वाले हैं, जिनमें एक पार्षद का नाम प्रमुख है। बाणगंगा का भगवाकरण होना तय है।

कुर्सी से हटाने और बैठाने का खेल

वक्त जब ठीक न हो तो परिवार ही सहारा होता है। सत्ता सुख से दूर कांग्रेस के लिए वक्त मुफीद नहीं है और परिवार तोड़ने पर भाजपा आमादा है। अब लगता है उच्च पदों पर बैठे चेहरे भी जो साथ हैं उनका 'हाथ' थामे रखने को गंभीर नहीं हैं। चलते चुनाव के बीच ब्राह्मण चेहरे नीलाभ शुक्ला को प्रदेश प्रवक्ता से हटाते हुए संभागीय प्रवक्ता बना दिया। अपने बयानों से अब तक भाजपा पर प्रहार करने वाले नीलाम के निशाने पर अपनी ही पार्टी आ गई। उनका इस्तीफा भाजपा नेताओं ने खूब बहु प्रसारित किया। आनन-फानन में निर्देश निकालते हुए नीलाम को पुराना पद लौटाया गया। अब राजनीति के गलियारों में चर्चा है कि शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष पद से हटाई गईं साक्षी शुक्ला को भी प्रदेश में अहम पद देने की योजना है। पद कब मिलता है इस पर सभी की निगाह है, वरना भाजपा के 'शुक्ला' अपने साथ जोड़ने को तैयार बैठे हैं।

'मच्छर' भी नहीं मार पा रहे कांग्रेसी नेता

चुनाव सिर पर हैं और दोनों ही दलों में अजब सी सुस्ती है। नगर निगम, फिर विधानसभा चुनावों के पैटर्न पर भाजपा को लोकसभा का गढ़ भी जीता नजर आ रहा है, लेकिन कांग्रेस टक्कर देती भी नजर नहीं आ रहा। दूसरे नेता तो दूर खुद पार्टी प्रत्याशी ने अब तक ऐसा कोई काम नहीं किया है, जिससे भाजपा के चेहरे पर शिकन आए। शहर में मच्छरों की समस्या से सब परेशान हैं। पुराने नेता राजेश चौकसे ने यह मुद्दा उठाते हुए नगर निगम को घेरने का प्रयास किया। मुद्दा ज्वलंत था और व्यवस्था की सुस्ती के आंकड़े भी ले आए, लेकिन खुद की पार्टी की सुस्ती ने मुद्दे को ठंडा कर दिया। न नगर निगम का घेराव हुआ, न कोई प्रदर्शन। देश की सबसे पुरानी पार्टी के नेताओं को समझना होगा कि गर्मी के बीच सड़क नापना जरूरी है,क्योंकि इंटरनेट मीडिया पर मुस्कुराते फोटो से वोट नहीं मिलते।

पर्यावरण बचाने के प्रयासों को मिली गति

शहर में दूसरी पर्यावरण हितैषी स्वर्गारोहण इकाई जूनी इंदौर मुक्तिधाम में प्रारंभ

इंदौर। शहर के पर्यावरण को शुद्ध बनाए रखना के प्रयासों में अनेक समाज सेवी संस्थाएं और प्रबुद्ध जन जुटे हुए हैं। इन्हीं के प्रयासों के तहत जूनी इंदौर मुक्तिधाम में कम लकड़ी से शव दाह करने वाली दूसरी स्वर्गारोहण इकाई की स्थापना की गई।

पर्यावरण वैज्ञानिक डॉ. डी के वागेला ने बताया कि इस इकाई में लकड़ी या कंडे की एक तिहाई मात्रा से शवदाह की प्रक्रिया की जा सकती है। स्वर्गारोहण की पहली इकाई तीन माह पूर्व महाराष्ट्रीयन समाज द्वारा रामबाग मुक्तिधाम पर प्रारम्भ की गई थी। गुरुवार को दूसरी इकाई जूनी इंदौर मुक्तिधाम में स्थापित कर उसमें एक शव का धार्मिक विधि-विधान से अंतिम संस्कार किया गया।

शहर के एक उद्योग विशाल फेब इंडिया के संचालक अनिल जोशी के सौजन्य से स्थापित इस इकाई के शुभारंभ अवसर पर जूनी इंदौर मुक्तिधाम विकास समिति के जय नारायण दम्मानी, रामनिवास भराणी, ओम प्रकाश खंडेलवाल, गोविंद राठी, महेश दम्मानी, मुक्तिधाम व्यवस्थापक अजय अग्रवाल के अलावा डॉ. ओपी जोशी, निर्मल भटनागर, अमरीश केला, मनोज दीक्षित, राजेंद्र सिंह, अनिल जौहरी, विरेन्द्र पोरवाल, चंचल कौर हरनाम सिंह, गुरुबक्ष सिंह, रामबाबू अग्रवाल आदि उपस्थित थे। स्वर्गारोहण इकाई के निर्माता हर्षिल अर्जुन भाई पटेल ने बताया कि इस इकाई में एक शव का दाह संस्कार 80 से 100 किलो लकड़ी में हो जाता है। धार्मिक रीति रिवाज के साथ दाह संस्कार 2 घंटे में संपन्न हो जाता है। इस विधि से होने वाले शव दाह के दौरान बेहद कम धुंआ व कार्बन डाइऑक्साइड गैस का उत्सर्जन होता है जिससे पर्यावरण को शुद्ध बनाए रखने में मदद मिलती है।

संपादकीय

जलवायु परिवर्तनः महंगाई बढ़ने की आशंका

जलवायु परिवर्तन का असर अब दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं पर नजर आने लगा है। खासकर कृषि क्षेत्र इससे बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। मौसम का मिजाज बदलने से फसलें चौपट हो रही हैं, जिसका सीधा असर खाद्यान्न की कीमतों पर पड़ रहा है। अब भारतीय रिजर्व बैंक ने भी माना है कि प्रतिकूल मौसम की वजह से महंगाई बढ़ सकती है।यह निस्संदेह रिजर्व बैंक के लिए भी बड़ी चिंता का विषय है। वह महंगाई को चार फीसद के नीचे रखना चाहता है। इसलिए मार्च में जब खुदरा महंगाई 4.9 फीसद दर्ज हुई तो कुछ उत्साह देखा गया था। तब रिजर्व बैंक ने दावा किया था कि वह जल्दी ही महंगाई पर काबू पा लेगा। मगर अब मौसम का रुख देखते हुए उसे लगने लगा है कि यह काम आसान नहीं होगा।

अभी जब गेहूं की फसल कट कर खलिहान में पहुंची है, तो देश के अनेक इलाकों में मूसलाधार बारिश ने उसे भिगो दिया। बहुत सारा अनाज गोदाम में पहुंचने से पहले ही भीग गया। इस तरह बहुत सारा अनाज सड़ कर बर्बाद हो जाएगा। यह अब जैसे हर वर्ष का सिलसिला हो गया है। बेमौसम बारिश हजारों टन अनाज बर्बाद कर डालती है।

खुदरा महंगाई में सबसे अधिक चिंता खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों को लेकर है। रोजमर्रा इस्तेमाल होने वाले अनाज और सब्जियों की कीमतें सामान्य आयवर्ग की पहुंच से दूर होती जा रही हैं। इसकी एक वजह ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी भी है, जिससे ढुलाई पर खर्च बढ़ गया है। अभी जिस तरह की वैश्विक स्थितियां हैं उसमें आपूर्ति श्रृंखला गड़बड़ होने से कच्चे तेल की कीमतें अनिश्चित बनी हुई हैं।इससे भी रिजर्व बैंक की महंगाई को लेकर चिंता बनी हुई है। पहले रूस-यूक्रेन संघर्ष के चलते दुनिया भर में मुश्किलें पैदा हुई थीं, अब इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष में ईरान के कूद पड़ने और उस पर अमेरिका की सख्त व्यापारिक पाबंदियों से संकट और गहरा हो गया है। भारत चूंकि कच्चे तेल के लिए दूसरे देशों पर निर्भर है, ऐसी स्थिति में उसे तेल की कीमतें नीचे ला पाना कठिन होगा। मगर मौसम की मार से पार पाने का कोई रास्ता किसी के पास नजर नहीं आता। सर्दी, गर्मी, बरसात की अवधि असंतुलित हो गई है। एक ही वक्त में कहीं तेज बारिश और बाढ़ की वजह से फसलें चौपट हो जाती हैं, तो कहीं सूखे की वजह से। सर्दी की अवधि सिकुड़ने के चलते खासकर गेहूं की फसल पर बुरा असर पड़ रहा है। गर्मी का मौसम जल्दी शुरू हो जाने से गेहूं का उत्पादन कम हो रहा है। हमारे कृषि क्षेत्र का बड़ा हिस्सा आज भी मानसून पर निर्भर है। बहुत सारे इलाकों में सिंचाई के संसाधन उपलब्ध नहीं हैं। जिस वर्ष उन इलाकों में बारिश कम होती है या नहीं होती, उस वर्ष वहां उत्पादन खासा नीचे चला जाता है। अभी तक का आकलन है कि मौसम का मिजाज गड़बड़ होने से सकल घरेलू उत्पाद में करीब डेढ़ फीसद तक का नुकसान उठाना पड़ रहा है। जैसी कि जलवायु परिवर्तन की वजह से विभिन्न क्षेत्रों पर बुरा असर पड़ने की आशंकाएं जताई जा रही हैं, कृषि क्षेत्र उनमें सबसे अधिक प्रभावित होगा। ऐसे में महंगाई पर काबू पाना रिजर्व बैंक के लिए आसान नहीं होगा। बेरोजगारी बढ़ने और प्रतिव्यक्ति आय कम होने से महंगाई की मार ज्यादा गहरी पड़ रही है। इससे निपटने के लिए रिजर्व बैंक को वैकल्पिक व्यवस्था बनानी पड़ेगी।

सोशल मीडिया से...

कांग्रेस के शहजादे को देश के प्रधानमंत्री को भला-बुरा कहने में मजा आता है। मैं टीवी और सोशल मीडिया पर देख रहा हूं कि इससे लोग दुखी हो रहे हैं। मैं कहता हूं, दुखी न हों क्योंकि नामदार तो कामदार को हमेशा गोली-गलौज करते आए हैं।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

कांग्रेस में दम है तो वो खुद 500 पार का नारा लगाए। हम अपने दम पर कह रहे हैं कि अबकी बार 400 पार। कांग्रेस को इस पर आपत्ति है। पूरे देश ने संकल्प लिया है, अबकी बार 400 पार। ये कहते हैं 400 का आंकड़ा क्यों लाए। हमने 2014 में भी कहा था और कर के दिखाया। जब हमने 2019 में कहा 300 पार कहा तो वह करके दिखाया।

डॉ. मोहन यादव, सीएम मप्र

देश में बदलाव का माहौल है। वही वादे और आश्वासन से लोग ऊब गए हैं। पहले चरण के चुनाव के बाद भाजपा के नेताओं के भाषण में बौखलाहट और गुस्सा दिखाई दे रहा है। भाजपा नेताओं को 'म-म' शब्द का खेल करने का बहुत शौक है। ये बात करते हैं मुसलमान-हिंदू की, मंदिर-मस्जिद की, मंगलसूत्र की।

सचिन पायलट, कांग्रेस नेता

केरल के सीएम जेल जाने से बचने के लिए भाजपा के साथ समझौता कर चुके हैं। तमाम घोटालों में नाम सामने आने के बाद भी नरेंद्र मोदी सरकार विजयन के खिलाफ ऐक्शन नहीं ले रही है।

प्रियंका गांधी वाड्रा, कांग्रेस नेता

आज का कार्टून

दक्षिण में भाजपा की उम्मीदें मोदी मैजिक के भरोसे

> प्रधानमंत्री मोदी ने जब 17वीं लोकसभा में अपने अंतिम संबोधन में भाजपा के लिए 370 सीटें और एनडीए के लिए चार सौ सीटों का जिक्र किया तो प्रधानमेंत्री को इस बात का एहसास था कि उनके लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए वह तीन सौ सत्तर सीटों का जो टारगेट सेट कर रहे है वह दक्षिण के राज्यों के समर्थन के बिना संभव नहीं है। दक्षिण से आने वाले राज्यो में शामिल कर्नाटक से 28, आंध्र पदेश से 25, तेलंगाना से 17, तमिलनाडु से 39, केरल से 20 और एक सीट वाले पुडुचेरी में कुल मिलाकर लोकसभा की 130 सीटें आती है। 2019 में भारतीय जनता पार्टी इन 130 सीटों में से 29 सीटें ही जीत पाई थी। उसमें भी 25 सीटें अकेले कर्नाटक और चार सीटें तेलंगाना से मिली थी। तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश और पुडुच्चेरी मिलाकर 85 लोकसभा सीटों मे से बीजेपी को एक भी सीट नहीं मिली थी।

समीर चौगांवकर

भाजपा उत्तर भारत में अपने प्रदर्शन के शीर्ष पर है और अपने आंकड़ों को बढ़ाने के लिए इस बार भाजपा दक्षिण में अपने प्रदर्शन पर निर्भर है। इसलिए भाजपा ने दक्षिण की 130 सीटों में से 50 सीटें जीतने का लक्ष्य निर्धारित किया है। भाजपा की रणनीति लंबे समय से दक्षिण को फतह करने की रही है, परंतु दक्षिण की हिन्दुत्व विरोधी राजनीतिक संस्कृति में पले बढ़े मतदाताओं के बीच उसकी यह इच्छा मोटे तौर पर अधूरी ही रहती आई है।

भाजपा को उम्मीद है कि मोदी की लोकप्रियता, भाजपा संगठन और संघ के लगातार जमीनी स्तर पर काम के दम पर दक्षिण में भाजपा के लिए वोटों की फसल लहलहा सकती है। इसकी वजह 2019 के चुनाव में वोटों की हिस्सेदारी के ब्यौरे में है। बीजेपी को कर्नाटक में 51.38, तेलंगाना में 19.45, केरल 12.93,तमिलनाडु 3.66, आंध्र प्रदेश 0.96 प्रतिशत वोट मिले थे। इसलिए पार्टी ने अभी की योजना में ऐसे निर्वाचन क्षेत्रों की पहचान की है, जिन्हें इस बार जीता जा सके।

कर्नाटक में भाजपा मजबूत है और विधानसभा चुनाव कांग्रेस से हारने के बाद भी भाजपा को भरोसा है कि वह कर्नाटक में अपने पिछले प्रदर्शन के आस-पास रह सकती है। 2019 में भाजपा ने राज्य की 28 सीटों में से 26 सीटें (एक सीट सहयोगी निर्दलीय को मिलाकर) जीत ली थी। हालांकि इस बार कर्नाटक में भाजपा की राह इतनी आसान नहीं है। बीते दस महीनों में कांग्रेस ने कर्नाटक में जनकल्याण गारंटियों पर 33 हजार करोड़ रूपये खर्च कर दिए हैं और कांग्रेस इन योजनाओं से लाभार्थी हुए 4.5 करोड़ लोगों से समर्थन की उम्मीद कर रही है जबकि भाजपा मोदी मैजिक और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण पर निर्भर है।

वहीं तेलंगाना में इस लोकसभा चुनाव में कांटे की टक्कर देखने को मिल रही है। राज्य की 17 लोकसभा सीटों के लिए 13 मई को मतदान होगा। 2023 में विधानसभा जीत से उत्साहित कांग्रेस सियासी समर में बीआरएस को पटखनी देने के लिए पूरा जोर लगा रही है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रेवंत रेड्डी बीआरएस प्रमुख चंद्रशेखर राव पर भ्रष्टाचार करने और परिवार को आर्थिक लाभ देने का आरोप लगा रहे हैं।

कांग्रेस इस राज्य से 2019 में जीती 3 सीटों से बढ़कर 10 से ज्यादा सीटें जीतने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रही है, वहीं भाजपा एक दशक में विकास को आगे बढाने वाले दूरदर्शी नेता के तौर पर पीएम मोदी के चेहरे को आगे कर मोदी की गांरटी और केन्द्र की योजनाओं को भुनाने की पूरी कोशिश कर रही है।

भाजपा 2019 की चार सीटों के मुकाबले इस बार बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद के साथ कई चुनौतियों से भी जूझ रही है, जिसमें प्रतिद्वंदियों के मुकाबले स्थानीय स्तर का कोई प्रभावी एजेंडा न होना शामिल है। दूसरे दलों से आए नेताओं को सहजता के साथ स्वीकारने में राज्य नेतृत्व की विफलता, पार्टी दिग्गजों के बीच मनमुटाव, नए नेताओं की खूबियों को भुनाने में दूरदर्शिता का अभाव और हिंदुत्व विचारधारा का खास प्रभाव न होना भाजपा के लिए बड़ी चुनौतियों में शुमार है। तेलंगाना में भाजपा एक जीवंत संगठनात्मक ढांचा तैयार करने में भी नाकाम रही है। ओबीसी वोटों पर निर्भर भाजपा की नजर हैदराबाद के आसपास की सीटों के अलावा उत्तरी तेलंगाना की सीटों पर है।

लेकिन भाजपा को सबसे ज्यादा उम्मीद तमिलनाडु से है। अन्नामलाई के भरोसे भाजपा ने एआईडीएमके से गठबंधन तोड़ा और तमिलनाडु में पहली बार अपना गठबंधन बनाने और उसकी अगुवाई करने का दम दिखाया। तमिलनाडु में भाजपा अपने दम पर 19 सीटों पर मैदान में उतरी है और सहयोगी दलों को 20 सीटें दी है। चुनाव प्रचार के दौरान मोदी ने तमिलनाडु में 10 से अधिक यात्राएं और 13 से ज्यादा रैलियों को संबोधित किया। बहरहाल तमिलनाडु में मतदान हो चुका है और भाजपा वहां तीन सीट जीतने की उम्मीद कर रही है।

तमिलनाडु के बाद भाजपा ने अपनी ताकत केरल मे भी झोंकी है, जहां 26 अप्रैल को मतदान होना है। केरल भाजपा के लिए एक ऐसा भूभाग है जहां हिन्दुत्व स्थानीय शब्दावली में दाखिल हो चुका है। तभी तो 2009 में 6 फीसद के मुकाबले भाजपा का वोट शेयर 2019 में दहाई अंकों तक पहुंच गया। भाजपा इस छोटे से राज्य में अपना खाता खोलने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रही है। 2019 में अपनी प्रचंड जीत के बाद भाजपा मुख्यालय पहुंचे मोदी ने केरल को लेकर कहा था कि छोटे से राज्य में छोटी सी गैर मौजूदगी भी खलती है। उन्होंने उस समय कहा था कि 2024 में हम केरल में नारियल फोड़ेंगे।

राहुल गांधी के वायनाड़ से दूसरी बार मैदान में होने के बाद कांग्रेस इस बार भी केरल में मजबूत है। 2019 में कांग्रेस के नेतृत्व में यूडीएफ ने 20 में से 15 सीटें जीती थी। इस बार भी कांग्रेस को पिछला प्रदर्शन दोहराने की चुनौती के साथ भाजपा को खाता खोलने से रोकना भी है। भाजपा हर हाल में कांग्रेस के दबदबे वाले राज्य में इंट्री चाहती है इसलिए उम्मीदवारों का चयन भी सोच समझकर किया गया है और हाई प्रोफाइल नेताओं को मैदान में उतारा गया है।

शशि थरूर के सामने केन्द्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर को उतारा है। त्रिशुर में फिल्म स्टार से नेता बने सुरेश गोपी कड़ी चुनौती पेश कर रहे हैं। भाजपा ने केरल की लड़ाई में एक वैचारिक मोड़ ला दिया है। भाजपा को अभी तक केरल में एक भी लोकसभा सीट नहीं मिली है लेकिन भाजपा इस बार तिरूवनंतपुरम, त्रिशुर और पत्तनमत्तिट्टा को हासिल करने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रही है। केरल में भाजपा ईसाईयों को साथ लेकर बहु फसली जमीन तैयार करना चाहती है। केरल में भगवा असर बढ़ रहा है। 2019 में भाजपा के उम्मीदवारों ने 2 से 3 लाख तक वोट प्राप्त किए थे। इस बार भाजपा को उम्मीद है कि खाता खुलेगा ही।

दक्षिण के तीसरे राज्य आंध्र प्रदेश में भाजपा टीडीपी के साथ मिलकर अपना खाता खोलने की उम्मीद कर रही है। चुनाव की घोषणा से पहले ही आंध्र के मुख्यमंत्री और वाईएसआर कांग्रेस प्रमुख जगन मोहन राज्य के चार अंचलों में चार विशाल सिद्धम (तैयारी) रैलियां कर चुके थे। इसकी शुरूआत विशाखापट्टनम से 27 मार्च को हुई थी। उसके बाद 21 दिवसीय मेमंत सिद्धम (पूरी तरह से तैयार) बस यात्रा से प्रदेश को नाप चुके हैं।

दूसरी तरफ टीडीपी प्रमुख पूरे राज्य में प्रजा गलम (जनता की आवाज) यात्रा से समर्थन मांग रहे हैं। नायडू को उम्मीद है कि मोदी की लोकप्रियता और भाजपा संगठन और पवन कल्याण का साथ उन्हें अतिरिक्त ताकत मुहैया कराएगा। आंध्र प्रदेश में टीडीपी 17 सीटों पर, भाजपा 6 सीटों पर और पवन कल्याण की जनसेना दो सीटों पर लड़ रही है। विधानसभा चुनाव की बात करें तो 175 सीटों में से टीडीपी 144 सीटों पर, जनसेना 21 सीटों पर और भाजपा 10 सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

टीडीपी ने कांग्रेस और वाईएसआर कांग्रेस छोड़कर आए नेताओं को भी जमकर टिकट दिया है। जगन ने बस यात्रा %मा भविष्य तू% अभियान चलाया, जिसका असर हुआ है। आंध्र प्रदेश के दक्षिण में जगन का जादू बरकरार है लेकिन मध्य में चंद्रबाबू नायडू मजबूत नजर आते हैं। विशाखापटटनम, पूर्वी और पश्चिमी गोदावरी, गुंटूर, प्रकाशम जिलों मे चंद्रबाबू नायडू की साइकिल का परचम लहरा रहा है। जबकि उत्तरी और दक्षिणी छोर पर जगन के चुनाव चिन्ह पंखे के फैन नजर आ रहे हैं। भाजपा आंध्र प्रदेश में भी एक लोकसभा सीट पर जीत की उम्मीद कर रही है। मोदी को पूरी दुनिया का सबसे लोकप्रिय नेता बता रही भाजपा को इस बात का दर्द है कि दक्षिण के राज्य मोदी को स्वीकार नहीं कर सके हैं। इसलिए भाजपा मोदी के दम पर दक्षिण में दाखिल होने की कोशिश कर रही है। दक्षिण के लोग धर्मपरायण होते हुए भी उन्होंने धर्म को राजनीति से ज्यादातर अलग ही रखा। दक्षिण के सियासी लैंडस्कैप को बदलने की भाजपा की इच्छा विचारधारा और रणक्षेत्र की जरूरतों से प्रेरित है। एक दशक से भारत में शासन कर रही राष्ट्रीय पार्टी के लिए दक्षिण में मौजूद न होना सचमुच बैचेनी पैदा करता है। इस बार वह उस बेचैनी को मिटाना चाहती है।

गेहूं में सरकारी खरीदी की रफ्तार बीते साल से कम, बाजार मजबूत

इंदौर। एमएसपी पर गेहूं की सरकारी खरीदी के आंकड़े सरकार के लिए संतोषप्रद नहीं है। दरअसल, 23 अप्रैल तक के आंकड़ों के अनुसार पूरे देश में गेहूं की कुल खरीदी 119.26 लाख टन हुई है, जबकि बीते वर्ष इसी अवधि तक खरीदी 159.23 लाख टन हो चुकी थी। हरियाणा से लेकर मप्र और पंजाब तक गेहूं खरीदी में पीछे हैं। मप्र में अब तक 29.71 लाख टन खरीदी हो चुकी है। बीते वर्ष 40.18 लाख टन गेहूं खरीदा गया था। यानी मप्र में इस साल खरीदी कम है जबकि सरकार ने खरीदी जल्द शुरू की है और बीते दिनों से पैमाने में भी छूट दी है। मंडियों में भी गेहूं के दाम मजबूत बने हुए हैं। इससे भी किसान मंडी में माल बेच रहे हैं। अच्छी क्वालिटी के गेहूं की मांग अच्छी है और दाम बढ़ाकर दिए जा रहे हैं। गुरुवार को इंदौर की दोनों मंडियों में गेहूं की आवक करीब 18 हजार बोरी रही। मंडी में गेहूं मिल क्वालिटी 2550-2600, पूर्णा 2850-2900, मालवराज 2550-2600, लोकवन 2850-2900 और मक्का 2250-2250 रुपये क्विंटल बिकी।दूसरी ओर चना दाल और बेसन में उठाव वैवाहिक सीजन की वजह से अच्छा बना हुआ है। मंडी में अच्छी क्वालिटी के चने की आवक कम होने के कारण भाव में तेजी का वातावरण बना हुआ है। गुरुवार को चना कांटा बढ़कर 6200-6300 विशाल 5900-6100 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया, वहीं काबुली चने में पिछले दो-तीन दिनों से सुस्त कारोबार और निर्यातकों की कमजोर डिमांड के कारण दाम रोजाना धीमी गति से नीचे आ रहे हैं।गुरुवार को भी काबुली चने में करीब 100 रुपये की गिरावट दर्ज की गई। व्यापारियों का कहना है कि इस बार काबुली चने का उत्पादन अच्छा हुआ है। ऐसे में इसका भविष्य निर्यात मांग पर काफी कुछ निर्भर करेगा। घटे दामों पर आयातकों की मसूर में बिकवाली कम होने और मिलों की सीमित पूछताछ बाजार में आने के कारण मसूर की कीमतों मे फिर से सुधार रहा।मसूर बढ़कर 6000-6050 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई, वहीं मूंग की आवक अच्छी होने और दालों में बिक्रा नहीं होने कारण मिलों के पास भी दालों का स्टाक बेहतर है। इस वजह से मूंग में लेवाली बेहद कमजोर है जिससे भाव मे गिरावट रही। गुरुवार को मूंग में करीब 200 रुपये की गिरावट दर्ज की गई।

रिश्वत लेने के मामले में लोकायुक्त संभाग इंदौर की ट्रैप कार्रवाई

इंदौर। लोकायुक्त संभाग इंदौर ने आवेदक दशरथ बामनिया (32 वर्ष) निवासी ग्राम रसवा, कुक्षी की शिकायत पर आरोपी बृजमोहन गर्ग (ब्लॉक ऐकडेमिक कोऑर्डिनेटर, जनपद शिक्षा केंद्र निसरपुर, ज़िला धार) को आवेदक से 3000 रू की रिश्वत लेने पर ट्रैप किया।

विदित हो कि आवेदक दशरथ बामनिया की पत्नी श्रीमती सीमा बामनिआ द्वारा वर्ष 2017 से ग्राम रसवा विकासखंड निसरपुर में शासकीय प्राथमिक विद्यालय एवं आंगनबाड़ी में गायत्री स्वसहायता समूह के माध्यम से मध्यान्ह भोजन के संचालन का कार्य किया जाता है। निसरपुर विकासखण्ड के विद्यालयों के निरीक्षण का कार्य आरोपी बृजमोहन गर्ग द्वारा किया जाता है। मध्याह्न भोजन हेतु गेहूं एवं चावल शासन द्वारा निशुल्क प्रदान किया जाता है, इसके अतिरिक्त 12,000 रू की राशि प्रति माह शासन द्वारा तेल ,दाल, मसाले, सब्ज़ी, लकड़ी आदि हेतु समूह के खाते में जमा की जाती है। दिनांक 20/3/24 को आरोपी बृजमोहन गर्ग द्वारा आवेदक दशरथ बामनिया को बुलाकर कहा कि तुम्हारी पत्नी स्वसहायता समूह चलाती है जिसके लिये शासन द्वारा प्रतिमाह राशि प्रदान की जाती है अगर तुम्हारी पत्नी आगे भी समूह का संचालन करना चाहती है तो मुझे 3000 रू प्रतिमाह देना होंगे, नहीं दोगे तो मैं समूह द्वारा चलाये जा रहे मध्याह्न भोजन के संबंध में ख़राब रिपोर्ट भेजकर तुम्हारी पत्नी का समूह से नाम हटवा दूँगा। इसकी शिकायत आवेदक द्वारा लोकायुक्त कार्यालय इंदौर को की गई जिसका सत्यापन कराया गया और बीते रोज उप पुलिस अधीक्षक आर डी मिश्रा के नेतृत्व में निरीक्षक राहुल गजभिये, निरीक्षक राजेश ओहरिया, विजय, आशीष, अनिल, कृष्णा की टीम द्वारा आरोपी बृजमोहन गर्ग को आवेदक से 3000 रू की रिश्वत लेने पर ट्रैप किया गया। धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण संशोधन अधिनियम 2018 अंतर्गत कार्यवाही की जा रही है।

आपकी शिकायत/समस्याओं में
आपका साथी
दैनिक सद्भावना पाती

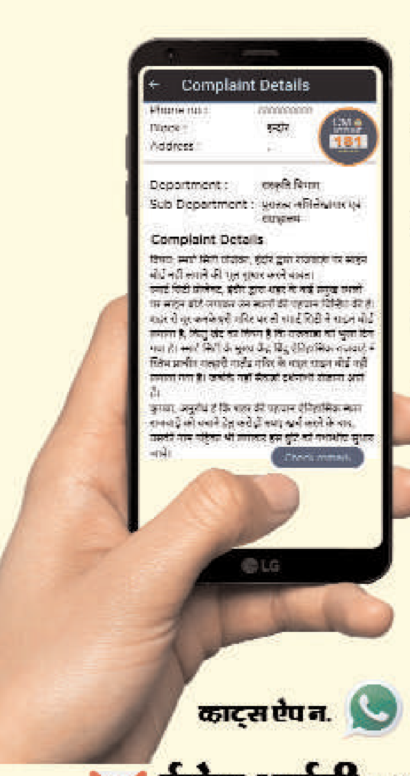

शिकायत / पत्र संपादक के नाम
आप किसी समस्या, शिकायत, मुद्दे, जानकारी, गड़बड़ी, भ्रष्टाचार, नियम विरुद्ध काम आदि की शिकायत संपादक के नाम व्हाट्सएप पर भेज सकते हैं।
सर्वप्रथम आप अपने मोबाइल में सीएम हेल्पलाइन 181 एप डाउनलोड करें
और उस पर शिकायत उपरांत हमे उसका स्क्रीन शॉट और फोटो भेजें।
हम उस शिकायत को दैनिक सद्भावना पाती में प्रकाशित करेंगे और आपकी समस्या/शिकायत को शीघ्र खत्म करने का प्रयास करेंगे।
केवल व्हाट्स एपकरें, कॉल न करें।
व्हाट्स ऐप न. 9685611304
ईमेल आईडी- reporter.spnews@gmail.com
नोट :- जनहित की समस्याओं पर उचित ईनाम भी दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

वोडा-आईडिया का 18,000 करोड़ जुटाना कंपनी में नई जान फूंकने जैसा : कुमार मंगलम बिड़ला

नई दिल्ली, एजेंसी। आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने गुरुवार को कहा कि वोडाफोन-आइडिया का 18,000 करोड़ रुपए जुटाना कंपनी में नई जान फूंकने जैसा है। कंपनी भारी प्रतिस्पर्धा के बीच ग्राहकों को बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रही है। बिड़ला ने FPO के सूचीबद्ध कार्यक्रम में पत्रकारों से कहा कि कंपनी अपने नेटवर्क को बढ़ाने और चुनिंदा 5 प्रतिशत सेवाओं को पेश करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। यह पूछे जाने पर कि क्या पूंजी जुटाने से कंपनी की ज्यादातर समस्याएं सुलझ जाएंगी बिड़ला ने ''हां'' में जवाब दिया। उन्होंने कहा, ''यह कंपनी में एक तरह से नई जान फूंकने जैसा होगा।'' हालांकि, बिड़ला ने इंडस टावर्स में हिस्सेदारी बेचने की खबरों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

कोटक महिंद्रा बैंक पर आरबीआई की बड़ी कार्रवाई, नए क्रेडिट कार्ड जारी करने पर लगाई रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। कोटक महिंद्रा बैंक के खिलाफ बैंकिंग सेक्टर के रेग्यूलेटर भारतीय रिजर्व बैंक ने बड़ी कार्रवाई की है। आरबीआई ने कोटक महिंद्रा बैंक को ऑनलाइन या मोबाइल बैंकिंग चैनल के जरिए नए ग्राहक जोड़ने पर रोक लगा दी है। इसके अलावा आरबीआई ने कोटक बैंक के नए क्रेडिट कार्ड्स भी जारी किए जाने पर रोक लगाने का फैसला किया है। हालांकि आरबीआई ने कहा कि कोटक महिंद्रा बैंक अपने मौजूदा कस्टमर्स जिसमें क्रेडिट कार्ड कस्टमर्स भी शामिल हैं उन्हें सभी सर्विसेज उपलब्ध कराती रहेगी। बैंक पर ये प्रतिबंध लगाने का कारण बताते हुए आईबीआई ने कहा कि 2022 और 2023 के बीच उसने पर्याप्त आईटी इंफ्रास्टक्चर नहीं होने को लेकर बैंक को अपनी चिंता जताई थी लेकिन बैंक इन कमियों को दूर करने में लगातार विफल रहा। बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट 1949 के सेक्शन 35 ए की तहत आईबीआई ने अपनी पावर का इस्तेमाल करते हुए कोटक महिंद्रा बैंक के खिलाफ यह कार्रवाई की है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र का चौथी तिमाही में मुनाफा 45 प्रतिशत बढ़कर 1,218 करोड़ रुपए

नई, एजेंसी। बैंक ऑफ महाराष्ट (बीओएम) का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में शुद्ध लाभ 45 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,218 करोड़ रुपए रहा। पुणे स्थित सार्वजनिक क्षेत्र के ऋणदाता का एक साल पहले इसी तिमाही में शुद्ध लाभ 840 करोड़ रुपए था। बीओएम ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, समीक्षाधीन तिमाही में बैंक की कुल आय बढ़कर 6,488 करोड़ रुपए हो गई। पिछले साल समान अवधि में यह 5,317 करोड़ रुपए थी।

विरासत टैक्स सीधे मध्यम वर्ग पर प्रतिकूल असर डालेगा, मतदान के बाद बोलीं वित्त मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। शुक्रवार को बंगलूरू के जयनगर में मतदान के बाद वित्त मंत्री सीतारमण ने विरासत टैक्स पर बात की। इस दौरान उन्होंने कड़ी मेहनत करने वाले मध्यम वर्गीय परिवारों पर विरासत टैक्स लगाने से पड़ने वाले प्रभावों पर चिंता व्यक्त की।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बंगलूरू में मतदान करने के बाद विरासत टैक्स पर बात की। उन्होंने कहा कि यह मध्यम वर्ग पर प्रतिकूल असर डालता है, जिससे उनकी गाढ़ी कमाई प्रभावित होती है। उन्होंने कहा, यह (विरासत टैक्स) सीधे मध्यम वर्ग पर प्रहार करता है। वे कड़ी मेहनत करते हैं, उनका पसीना और मेहनत इधर-उधर की छोटी-छोटी बचतों के रूप में बचती है, या तो वे सपनों का घर खरीद लेते हैं या कुछ फिक्स्ड डिपॉजिट रख लेते हैं। अगर विरासत टैक्स लगाई जाती है तो ये सभी प्रभावित होंगे। वित्त मंत्री सीतारमण ने ये बातें बेंगलुरु में लोकसभा चुनाव के लिए अपना वोट डालने के बाद कही।

शुक्रवार को बंगलूरू के जयनगर में मतदान के बाद वित्त मंत्री सीतारमण ने विरासत टैक्स पर बात की। इस दौरान उन्होंने कड़ी मेहनत करने वाले मध्यम वर्गीय परिवारों पर विरासत टैक्स लगाने से पड़ने वाले प्रभावों पर चिंता व्यक्त की। वित्त मंत्री की ओर से यह प्रतिक्रिया सैम पित्रोदा की ओर से विरासत टैक्स पर चर्चा शुरू करने के बाद आई। उन्होंने कहा कि केवल अपना बचत बनाए रखने के लिए पैसे जोड़ने वालों को दंडित करने से पिछले कई दशकों में हासिल आर्थिक लाभ सामाप्त हो सकता है।

उन्होंने कहा, मुझे याद है कि 1968 में एक अनिवार्य जमा योजना थी जहां लोगों की जमा राशि 18 प्रतिशत 20 प्रतिशत थी। इसमें से कुछ छीन लिया गया। उस समय उसका कोई कारण नहीं बताया गया। वित्त मंत्री ने कहा कि अगर धन सर्जकों को सिर्फ इसलिए दंडित किया जाएगा कि उनके पास कुछ पैसा बचा हुआ है, तो पिछले दस वर्षों में हुई भारत की प्रगति शून्य हो जाएगी।

सीतारमण ने कांग्रेस के समय की उस स्थिति को भी याद किया जब 90त्न कर की दर लागू की गई थी वित्त मंत्री ने इसके साथ ही समाजवादी मॉडल और वर्तमान सरकार के दृष्टिकोण के बीच विरोधाभास का भी उल्लेख किया। वित्त मंत्री ने कहा, कांग्रेस ने 90त्न कर लगाया था। आप शायद विश्वास नहीं करेंगे कि वर्तमान पीढ़ी को इसके बारे में कुछ भी याद नहीं होगा या पता भी नहीं होगा। एक ऐसा भारत था जहां कांग्रेस के शासन में हम अपने द्वारा अर्जित सभी आय का 90 प्रतिशत कर के रूप में भुगतान करते थे। क्या यह वह समाजवादी मॉडल है जिसके साथ कांग्रेस पार्टी सहज है। कर्नाटक में चल रहे लोकसभा चुनावों में कांग्रेस और भाजपा-जद (एस) गठबंधन के बीच कड़ी टक्कर दिख रही है। राज्य में दूसरे चरण के दौरान 14 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए वोट डाले जा रहे हैं।

जीडीपी की रफ्तार सबसे तेज, दुनिया में मंदी की आशंका घटी; वित्त मंत्रालय का दावा

नई, एजेंसी। वित्त मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को जारी मार्च की आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट में कहा, अंतरराष्ट्रीय संगठनों और आरबीआई ने भारत के लिए चालू वित्त वर्ष का वृद्धि संबंधी नजरिया सकारात्मक रखा हुआ है। यह बताता है कि वैश्विक स्तर पर मुश्किल हालातों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत बनी हुई है।

वैश्विक स्तर पर चुनौतियों के बावजूद भारत सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। मजबूत वृद्धि, मूल्य स्थिरता और बाहरी क्षेत्र के स्थिर दृष्टिकोण से भारत के आशाजनक आर्थिक प्रदर्शन को समर्थन मिल रहा है। इसके साथ ही, वैश्विक आर्थिक वृद्धि परिदृश्य एक बार फिर उत्थान की राह पर है। इससे मंदी की आशंकाएं घटी हैं और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में तेजी की स्थिति बन रही है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर तनाव

चिंता का विषय बना हुआ है।

वित्त मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को जारी मार्च की आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट में कहा, अंतरराष्ट्रीय संगठनों और आरबीआई ने भारत के लिए चालू वित्त वर्ष का वृद्धि संबंधी नजरिया सकारात्मक रखा हुआ है। यह बताता है कि वैश्विक स्तर पर मुश्किल हालातों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने हाल ही में जारी विश्व आर्थिक परिदृश्य (डब्ल्यूईओ) में 2023-24 के लिए भारत की वास्तविक जीडीपी की वृद्धि दर के अनुमान को 6.7 फीसदी से बढ़ाकर 7.8 फीसदी कर दिया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में प्रगति के संकेत दिख रहे हैं, लेकिन असमानताएं बरकरार हैं। प्रमुख संकेतक जहां आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि और भू-राजनीतिक तनाव में कमी का इशारा कर रहे हैं, वहीं हाल के संघर्षों से जोखिम पैदा हो रहे हैं। वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत मजबूत आर्थिक प्रदर्शन के साथ अलग दिख रहा है। भारत सभी क्षेत्रों में व्यापक आधार वाली वृद्धि दर्शा रहा है और वैश्विक वृद्धि के समर्थन में अपनी अहम भूमिका का दावा कर रहा है।

वैश्विक सुस्ती से भारत के निर्यात और आयात में नरमी आई है। 2023-24 में वस्तु व्यापार घाटे में कमी आई है। इसकी वजह...आयात की तुलना में निर्यात में कम गिरावट है। हालांकि, गैर-पेट्रोलियम और गैर-रत्न एवं आभूषण निर्यात ने पिछले कुछ माह में निरंतर वृद्धि के साथ जुझारूपन दिखाया है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार भी अप्रैल, 2024 में सार्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। यह भंडार 11 महीने के आयात के लिए पर्याप्त है।

शुरुआती बढ़त के बाद कमजोर पड़ा बाजार ; सेंसेक्स 250 अंक टूटा, निफ्टी 22500 से फिसला

नई दिल्ली, एजेंसी। शुक्रवार को जैसे-जैसे दिन चढ़ा बाजार पर बिकवाली हावी होती गई और इसने अपनी शुरुआती बढ़त गंवा दी। सुबह 11.14 मिनट पर सेंसेक्स 200.15 (0.26 प्रतिशत) अंकों की गिरावट के साथ 74,139.29 पर और निफ्टी 54.30 (0.24 प्रतिशत) अंक टूटकर 22,516.05 अंकों के स्तर पर कारोबार करता दिखा। एशियाई बाजारों में दिखी बढ़त के बाद भारतीय शेयर बाजार के बेंचमार्क इंडेक्स लगातार छठे दिन हरे निशान पर खुले। हालांकि शुरुआती कारोबार में बढ़त मामूली ही रही और धीरे-धीरे बाजार पर बिकवाली हावी होती गई। शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईटी सेक्टर के शेयर बढ़त के साथ कारोबार करते दिखे। सुबह 9 बजकर 23 मिनट पर सेंसेक्स 87 अंकों या 0.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 74,424 पर कारोबार करता दिखा। दूसरी ओर, निफ्टी 28 अंक मजबूत होकर 22,598 पर कारोबार कर रहा था।

भारत का सेवा निर्यात 11 फीसदी बढ़कर 345 अरब डॉलर पहुंचा, चीन में 10 फीसदी गिरावट

नई, एजेंसी। संयुक्त राष्ट व्यापार एवं विकास सम्मेलन (यूएनसीटीएडी) के तिमाही बुलेटिन के मुताबिक, भारत से सेवाओं का निर्यात बढ़ाने वाले क्षेत्रों में यात्रा, परिवहन, मेडिकल और आतिथ्य की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

दुनियाभर में आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत ने 2023 में 345 अरब डॉलर के सेवाओं का निर्यात किया। यह आंकड़ा एक साल पहले की तुलना में 11.4 फीसदी अधिक है। हालांकि, इस अवधि में चीन का सेवा निर्यात 10.1 फीसदी घटकर 381 अरब डॉलर रह गया।

संयुक्त राष्ट व्यापार एवं विकास सम्मेलन (यूएनसीटीएडी) के तिमाही बुलेटिन के मुताबिक, भारत से सेवाओं का निर्यात बढ़ाने वाले क्षेत्रों में यात्रा, परिवहन, मेडिकल और आतिथ्य की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। हालांकि, 2023 में भारत का सेवा आयात एक साल पहले की तुलना में 0.4 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ 248 अरब डॉलर रह गया। उद्योग से जुड़े एक विशेषज्ञ ने कहा, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) व इस पर आधारित सेवाओं और यात्रा का निर्यात मजबूत हो रहा है। एजेंसी यूएनसीटीएडी ने में कहा, भारत का सेवा निर्यात ऐतिहासिक रूप से उत्तरी अमेरिका और यूरोप में केंद्रित रहा है।

सरकार ने सफेद प्याज के निर्यात प्रतिबंध में ढील दी, तीन बंदरगाहों से तय मात्रा में होगा शिपमेंट

नई, एजेंसी। भारत ने सफेद प्याज के निर्यात प्रतिबंध में ढील दी है। तय किए गए तीन बंदरगाहों से अधिकतम दो हजार मीट्रिक टन सफेद प्याज का निर्यात किया जा सकता है।

भारत सरकार द्वारा सफेद प्याज के निर्यात प्रतिबंध में ढील दी गई है। सरकार ने देश के तीन बंदरगाहों से सफेद प्याज के विदेशी शिपमेंट को मंजूरी दे दी है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) द्वारा जारी एक अधिसूचना में कहा गया है कि सफेद प्याज का निर्यात करने वाले निर्यातक को सामान और सामान की मात्रा को प्रमाणित करने के लिए गुजरात सरकार के बागवानी आयुक्त से प्रमाण पत्र लेना जरूरी होगा। सरकार द्वारा सफेद प्याज के निर्यात के लिए कुछ बंदरगाहों के नाम तय किए गए हैं। डीजीएफटी की अधिसूचना में कहा गया है कि यह आदेश तत्काल प्रभाव से जारी होता कि तय किए गए बंदरगाहों से अधिकतम दो हजार मीट्रिक टन सफेद प्याज का निर्यात किया जा सकता है। सरकार द्वारा निर्यात के लिए मुंद्रा बंदरगाह, पिपावाव बंदरगाह और न्हावा शेवा (जेएनपीटी) बंदरगाह के नाम तय किए गए हैं। अधिसूचना में आगे बताया गया है कि राजनीतिक रूप से संवेदनशील वस्तु प्याज के निर्यात पर सामान्य तौर पर प्रतिबंध लगाया गया है लेकिन मित्र राष्ट्रों के अनुरोध पर सरकार द्वारा एक तय मात्रा में इसके शिपमेंट की अनुमति दी गई है।

आईसीआईसीआई ने ब्लॉक किए 17000 क्रेडिट कार्ड

नई, एजेंसी। देश के टॉप बैंकों में शुमार आईसीआईसीआई बैंक ने अपने 17000 ग्राहकों का क्रेडिट कार्ड ब्लॉक कर दिया है। दरअसल बुधवार को आईसीआईसीआई बैंक की मोबाइल ऐप imobile की सर्विसेज में दिक्कतें आ रही थी। बैंक के मुताबिक हाल ही में जारी किए गए लगभग 17,000 क्रेडिट कार्ड का ब्योरा गलत उपयोगकर्ताओं से जुड़ने का मामला सामने आने के बाद सारे कार्ड ब्लॉक कर दिए गए हैं।

आईसीआईसीआई बैंक ने कहा कि हालांकि इस मामले में किसी भी कार्ड के किसी दुरूपयोग की सूचना नहीं है लेकिन ग्राहक को किसी भी तरह का वित्तीय नुकसान होने पर वह उसका मुआवजा देने को तैयार है।

दरअसल बैंक ने यह फैसला इसलिए लिया क्योंकि बैंक के नए ग्राहकों के क्रेडिट कार्ड का नंबर कुछ पुराने ग्राहकों के कार्ड के साथ गलती से जुड़ गए थे। इस गड़बड़ी की वजह से बैंक के मोबाइल ऐप पर चुनिंदा पुराने ग्राहकों को नए कार्डधारकों का पूरा ब्योरा दिखने लगा था। सोशल मीडिया

पर बुधवार शाम से ही बैंक की इस गलती को लेकर चर्चा चल रही थी। हालांकि अब इसे सुधार लिया गया है। गलत मैपिंग के कारण बैंक का पुराना यूजर्स नए क्रेडिट कार्ड ग्राहक के बारे में पूरी जानकारी को देख पा रहे थे। हालांकि अब इसे ठीक कर लिया गया है। आईसीआईसीआई बैंक के मुताबिक इस समस्या की चपेट में आए क्रेडिट उसके कुल कार्ड पोर्टफोलियो का केवल 0.1 प्रतिशत है। बैंक के मुताबिक इन सभी कार्ड को ब्लॉक कर दिया गया है और ग्राहकों को नये कार्ड जारी किए जाएंगे। मोबाइल एप में दिक्कत आने के बाद गुरुवार को बैंक ने बयान जारी कर कहा था कि हमारे ग्राहक हमारी सबसे पहली प्राथमिकता हैं। हम उनके हितों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमें पता चला है कि बीते दिनों जारी किए गए 17,000 नए क्रेडिट कार्ड हमारे डिजिटल चैनल में गलत यूजर्स के साथ कनेक्ट हो गए हैं। ये बैंक के कुल क्रेडिट कार्ड पोर्टफोलियो का महज 0.1 प्रतिशत है। समस्या से तत्काल निपटने के लिए फिलहाल इन कार्ड को बलॉक किया जा रहा है। वहीं ग्राहकों को नए कार्ड जारी किए जा रहे हैं। ग्राहकों को हुई असुविधा के लिए हमें खेद है। अभी तक इन कार्ड के दुरुपयोग की हमें कोई सूचना नहीं मिली है। हालांकि हम भरोसा दिलाते हैं कि अगर किसी ग्राहक को इससे कोई फाइनेंशियल नुकसान होगा, तो बैंक उसकी उचित भरपाई करेगा।

जानकारों का मानना है कि गलत मैपिंग के बाद भी क्रेडिट कार्ड के जरिये फ्रॉड होने की संभावना बहुत कम है क्योंकि कोई भी भारतीय ऑनलाइन वेबसाइट नए ग्राहक के मोबाइल फोन पर वन-टाइम पासवर्ड (ओटीपी) भेजने का संदेश देती है। ओटीपी डालने पर भी ट्रांजैक्शन पूरा हो पाता है। आईसीआईसीआई बैंक के क्रेडिट कार्ड से संबंधित गड़बड़ी का यह मामला एक दिन पहले कोटक महिंद्रा बैंक पर रिजर्व बैंक की सख्त कार्रवाई के एक दिन बाद ही सामने आया है। रिजर्व बैंक ने कोटक महिंद्रा बैंक को आईटी नियमों के लगातार उल्लंघन के लिए ऑनलाइन नए ग्राहक जोड़ने के साथ क्रेडिट कार्ड जारी करने से भी फौरन रोक दिया है।

बीबीए-बीसीए ओल्ड कोर्स वाले विद्यार्थी दे सकेंगे प्राइवेट परीक्षा

इंदौर। नान एनईपी स्नातक व्यावसायिक पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को लेकर महत्वपूर्ण फैसला लिया गया है। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देश पर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने बीबीए-बीसीए अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं को परीक्षा में बैठने का एक और मौका दिया है। इस बार नियमित की बजाए स्वाध्यायी यानी प्राइवेट प्रारूप से परीक्षा दे सकेंगे।मई में इनकी परीक्षा करवाने के संबंध में विश्वविद्यालय प्रशासन रूपरेखा बनाने में लगा है। विश्वविद्यालय ने इनकी वार्षिक पद्धति से परीक्षा करवाने पर विचार किया है। मई-जून के बीच पेपर रखे जाएंगे। अब विद्यार्थियों को अपने-अपने कॉलेज से परीक्षा फार्म भरना होंगे। विश्वविद्यालय ने परीक्षा के लिए आफलाइन आवेदन देने की सुविधा दी है। 2020 में स्नातक पाठ्यक्रम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) लागू की गई। इसके चलते उच्च शिक्षा विभाग ने पुरानी स्कीम वाले बीए, बीकॉम, बीएससी, बीबीए-बीसीए सहित अन्य पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों का तीन साल में कोर्स व बैच खत्म करना थी। इसके लिए 2023 तक परीक्षा आयोजित की गई। बावजूद इसके अभी कई छात्र-छात्राएं ओल्ड कोर्स पूरा नहीं कर पाए है, जिसमें बीबीए-बीसीए वाले विद्यार्थियों की संख्या अधिक है। ये दोनों व्यवसायिक पाठ्यक्रम होने की वजह से विद्यार्थी प्राइवेट परीक्षा नहीं दे सकते है। ऐसी स्थिति में विद्यार्थियों ने उच्च शिक्षा विभाग को पत्र लिखा और भविष्य बिगाड़ने का हवाला देकर अंतिम वर्ष की परीक्षा करवाने पर जोर दिया। मामले में विभाग और विश्वविद्यालय के अधिकारियों के बीच चर्चा हुई। विश्वविद्यालय ने तर्क दिया कि अध्यादेश में बीबीए-बीसीए जैसे व्यवसायिक पाठ्यक्रम में सिर्फ नियमित परीक्षा करवाने का उल्लेख है। इस पर विभाग ने निर्देश दिए और कहा कि इनकी भी प्राइवेट परीक्षा करवाई जा सकती है।इस संबंध में विभाग से निर्देश मिलने के बाद विश्वविद्यालय परीक्षा करवाने का राजी हुआ है। परीक्षा विभाग के सहायक कुलसचिव डॉ. विष्णु मिश्रा का कहना है कि विद्यार्थियों का साल बचाने के लिए प्राइवेट प्रारूप में परीक्षा करवाएंगे। टाइम टेबल अगले कुछ दिनों में जारी किया जाएगा। वैसे इन छात्र-छात्राओं को आफलाइन परीक्षा फार्म भरना है।

UPSC Releases Exam Calendar For 2025

The Union Public Service Commission (UPSC) has released the examination schedule or recruitment tests for the year 2025. Candidates can visit the official website of the UPSC to check the complete date sheet for the UPSC exam 2025.

Following is the schedule of the examinations for UPSC 2025:

January 11 is Reserved for UPSC RT/Examination

Engineering Services (Preliminary)Examination, 2025 is scheduled for February 9, 2025

Combined Geo-Scientist (Preliminary) Examination, 2025 will be held on February 9, 2025

CISF AC (EXE)LDCE-2024 is scheduled for March 9, 2025

CBI (DSP) LDCE is scheduled for March 8, 2025

NDA and NA Examination (I) 2024 and CDS Examination 2025 will be held on April 13, 2025

Civil Services (Preliminary) Examination 2025 and Indian Forest Service (Preliminary) Examination 2024 through CS (P) Examination 2025 is scheduled for May 25, 2025.

IES/ISS Examination 2025 will be held on June 20, 2025.

Combined Geo-Scientist (Main) Examination 2024 will be held on June 21, 2025.

Engineering Services (Main) Examination 2024 will be held on June 22, 2025.

July 5, 2025 is reserved for UPSC RT/Examination

Combined Medical Services Examination 2024 will be held on July 20, 2025.

Central Armed Police Forces (ACs) Examination 2024 will be held on August 3, 2025

August 9, 2025 is reserved for UPSC RT/Examination

Civil Services Main Examination 2024 is scheduled for August 22, 2025.

NDA and NA Examination (II) 2025 and CDS Examination 2025 will be held on September 14, 2025.

October 4, 2024 is reserved for UPSC RT/Examination

Indian Forest Service (Main) Examination 2024 is scheduled for November 16, 2025.

SO/Steno (GD-B/GD-I) LDCE will be held on December 13, 2025.

December 20, 2025 is reserved for UPSC RT/Examination

Candidates are advised to verify the dates on the official website of the Union Public Service Commission (UPSC).

घर में मकड़ी के जाले करते हैं जीवन का बड़ा नुकसान

मकड़ी का घर में होना अलग-अलग क्षेत्रों में शुभ और अशुभ दोनों माना जाता है। सामान्यतः वास्तु कहता है कि घर में मकड़ी जाले दरिद्रता के सूचक हैं, इन्हें तत्काल साफ करना चाहिए। मकड़ी एक जहरीला जीव है जिसका घर में होना बीमारियों की वजह बन सकता है। वास्तु अनुसार मकड़ी के जाले होने से घर में 5 तरह के दोष आते हैं।

5 तरह के दोष

- इससे घर की आर्थिक वृद्धि प्रभावित होती है।
- इससे घर के मुखिया की प्रगति रूक जाती है।
- इससे घर में प्रेम और रिश्तों में दूरी आ जाती है।
- इससे धार्मिक कार्यों का लाभ और पुण्य नहीं मिलता है। क्योंकि भगवान स्वच्छता में रहना पसंद करते हैं।
- घर में नकारात्मकता, अवसाद और निराशा आने लगती है। मकड़ी का जाला जीवन में उलझनों के बढ़ने का संकेत होता है।

मकड़ी के शुभ फल

- जिस पर मकड़ी गिर जाए उसे नए कपड़े मिलते हैं।
- मकड़ी मौसम का संदेश देती है।
- मकड़ी अकारण काटती या नुकसान नहीं पंहुचाती जब तक कि उसे छेड़ा न जाए अत: कुछ स्थानों पर इसे किसानों का साथी माना जाता है। यह चींटीं खत्म कर देती है।
- अगर आप जाल बुनते हुए मकड़ी देखते हैं तो यह संकेत हैं कि आपको जल्दी कामयाबी मिलेगी। कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति बेहतर होगी प्रशंसा प्राप्त कर सकते हैं।
- मकड़ी अगर सपने में भी जाल बुनते दिखे तो यह भी शुभ फलदायक होता है।
- ऊपर चढ़ती मकड़ी तरक्की का संदेश देती है।

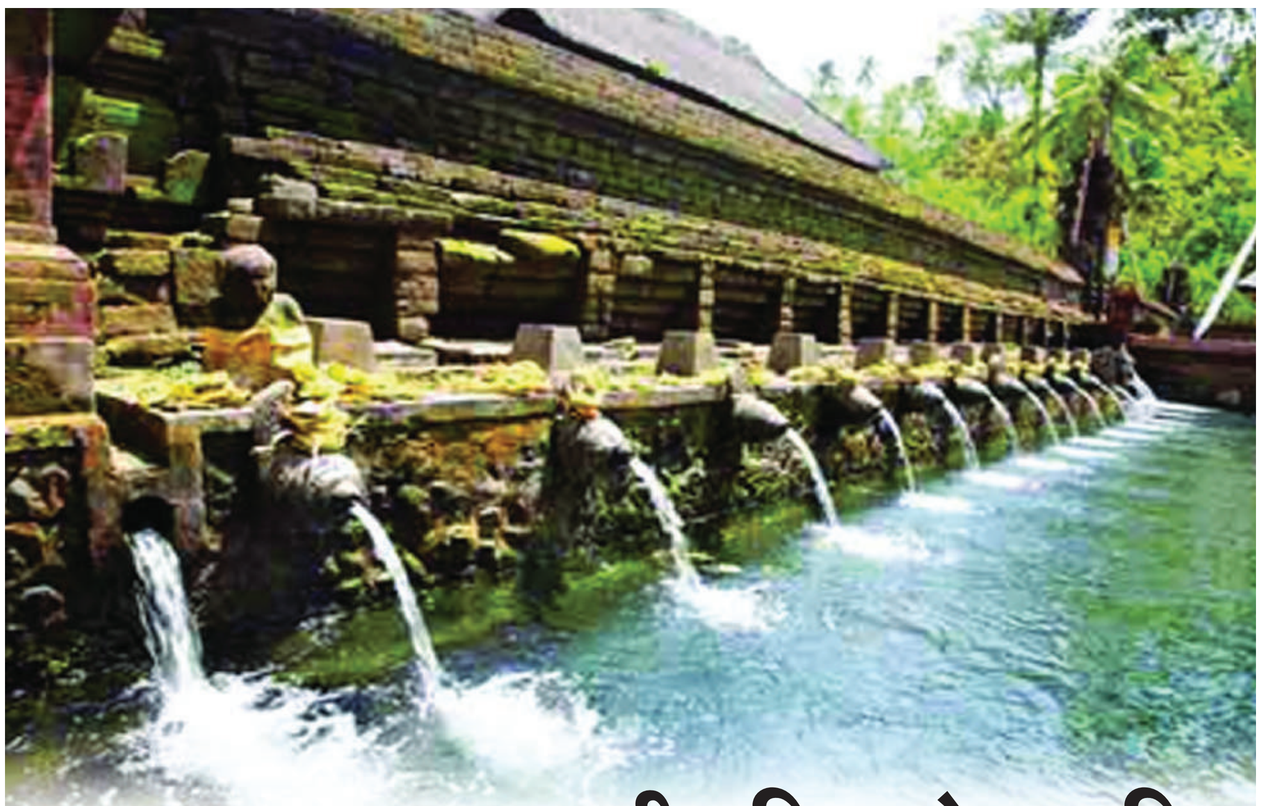

जल की महिमा से आपूरित हैं हमारे व्रत त्योहार

भारतीय परंपरा में कोई भी ऐसा धार्मिक कार्य नहीं होगा जिसमें जल कलश स्थापित न किया जाता हो। इसी से जल की महत्ता सिद्ध होती है। नदियों को हमारे यहां मां का दर्जा दिया गया है। पुराणों में देवी देवता से लेकर राजा-महाराजा ऋषि मुनि द्वारा सुंदर सरोवर, जलाशय, जल प्रांतर, झरने, कुंए, बावड़ी आदि लोक हित में बनवाने का जिक्र मिलता है। हमारे कई व्रत त्योहार तो जल की महिमा से आपूरित है। मंत्र-श्लोक में भी जल का महत्व मिल जाता है।

अप्स्वन्तरमृतमप्सु भेषजमपामुत प्रशस्तये।
देवा भवत वाजिन:।
ऋग्वेद (१.२३.१९)

अर्थात- हे देवों! तुम अपनी उन्नति के लिए जलों के भीतर जो अमृत व औषधि है,उनको जान कर जल के प्रयोग से ज्ञानी बनो।

इस तरह हमारे सांस्कृतिक पर्व अपनी सामाजिक जिम्मेदारी भी निभाते हैं। जरूरत है हमें उनके रहस्यों को समझने की उनके संदेशों को पढ़ पाने की योग्यता विकसित करने की.

आत्मप्रदानं सौम्यत्वमभ्दयश्चैवोपजीवनम।
वेदव्यास (महाभारत, सभापर्व ७८.१९)

अर्थात- परहितार्थ आत्मदान, सौम्यत्वं तथा दूसरों को जीवनदान की शिक्षा जल से लेनी चाहिए।

हमारे यहां हर मौसम में हर पर्व जल के महत्व को प्रतिपादित करता है, जल का गुणगान करता है। जल को बचाने का संदेश भी देता है।

आप: सर्वस्य भेषजी:
ऋग्वेद (१0/१३७/६)

अर्थात-जल सब रोगों की एकमात्र दवा है। वैज्ञानिक भी इस तथ्य को स्वीकार करते हैं कि मनुष्य शरीर में यदि जल की कमी आ जाए तो जीवन खतरे में पड़ जाता है। वर्तमान युग में जब जल की कमी की गंभीर चुनौतियां सारा संसार स्वीकार कर रहा है, जल को एक पेय के स्थान पर तत्व के रूप में पहचानना दार्शनिक धरातल पर जरूरी है।

यो व: शिवतमो रसस्तस्य भाजयतेह न:।
उशतीरिव मातर:।।
- यजुर्वेद (३६.१५)

अर्थात - जैसे मां अपनी संतान को दूध पिलाती है, वैसे ही हे जल! जो तुम्हारा कल्याणतम रस है उसे हमें प्रदान करें।

हमारे पुरखे जल, जलदान, जल के लिए प्याऊ खुलवाने का संदेश देते हैं। यहां तक कि पितरों को भी जल अर्पण करने की परंपरा है। तुलसी, पीपल और सूर्य को जल चढ़ाना अब धार्मिक के साथ वैज्ञानिक रूप से भी प्रामाणिक माना जाने लगा है।

- वैशाख मास में आने वाली एकादशी को प्याऊ खुलवाने से करोड़ों महायज्ञ का फल मिलता है.
- अक्षय तृतीया पर्व में जल कलश दान का विशेष महत्व है। मिट्‌टी के पात्र में जल भर कर दान का जिक्र पुराणों में मिलता है। इस दिन जल दान से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है.
- निर्जला एकादशी व्रत पंचतत्व के एक प्रमुख तत्व जल की महत्ता को निर्धारित करता है। इस व्रत में जल कलश का विधिवत पूजन किया जाता है। निर्जला व्रत में व्रती जल के बिना समय बिताता है। जल उपलब्ध होते हुए भी उसे ग्रहण न करने का संकल्प लेने और समयावधि के पश्चात जल ग्रहण करने से जल की उपयोगिता पता चलती है। व्रत करने वाला जल तत्व की महत्ता समझने लगता है।
- भगवान शिव की मूर्ति व शिवलिंग पर जल चढ़ाने का महत्व भी समुद्र मंथन की कथा से जुड़ा हुआ है। अग्नि के समान विष पीने के बाद शिव का कंठ एकदम नीला पड़ गया था। विष की ऊष्णता को शांत कर भगवान भोले को शीतलता प्रदान करने के लिए समस्त देवी-देवताओं ने उन्हें जल-अर्पण किया। इसलिए शिव पूजा में जल का विशेष महत्व माना है।

शिव स्वयं जल हैं

शिवपुराण में कहा गया है कि भगवान शिव स्वयं जल हैं।

संजीवनं समस्तस्य जगत: सलिलात्मकम
भव इत्युच्यते रूपं भवस्य परमात्मन:

अर्थात जो जल समस्त जगत के प्राणियों में जीवन का संचार करता है वह जल स्वयं उस परमात्मा शिव का रूप है। इसीलिए जल का अपव्यय नहीं वरन उसका महत्व समझकर उसकी पूजा करना चाहिए।

- गंगा सप्तमी पर्व मां गंगा का पुनर्जन्म भी माना जाता है अत: इसे गंगा जयंती के रूप में भी मनाया जाता है। जिस दिन ये धरती पर अवतरित हुईं उस दिन को गंगा दशहरा के रूप में मनाया जाता है। मोक्षदायिनी गंगा में स्नान करने से सरे पाप और दु:ख कट जाते हैं पर अब कलयुग में गंगा भी पाप से दूषित होने लगी है। ऐसे में जल का महत्त्व और उसकी शुद्धता का जिम्मा और बढ़ जाता है।
- भगवान नृसिंह को वैष्णव संप्रदाय के लोग संकट के समय रक्षा करने वाले देवता के रूप में पूजते हैं। चूंकि ये क्रोधावतार हैं इसलिए इन्हें जल के सामान शीतल वस्तुओं का अर्पण किया जाता है। प्रतिस्पर्धा, अनजान शत्रुओं से बचने के लिए इन पर बर्फ मिला या उतना ठंडा जल चढ़ाया जा सकता है।
- वैशाख पूर्णिमा पर दान और पवित्र नदी या सरोवर में स्नान करने का भी विशेष महत्व होता है।
- वट सावित्री व्रत में बरगद वृक्ष चारों ओर घूमकर सौभाग्यवती स्त्रियां रक्षा सूत्र बांधकर पति की लंबी आयु की कामना करती हैं। विधि विधान से पूजन पश्चात वटवृक्ष/बड़ के के वृक्ष की जड़ों में पानी देतीं हैं। धरती पर इनकी जड़ें अपनी पकड़ से पानी को संचित रखतीं हैं व माटी को बांध के रखतीं हैं। कटने नहीं देतीं ऐसे ही पति -पत्नी का रिश्ता जन्मों तक कायम रहता है।
- इन पर्वों को मानाने के साथ हम प्रार्थना करें कि-

शं नो देवीरभिष्टय आपो भवन्तु पीतये।
शं योरभि स्त्रवन्तु न:।
अथर्ववेद (१.६.१)
सामवेद (३३)

मनीप्लांट लगाने के नियम क्या कहता है वास्तु

जनमानस में ऐसी मान्यता है कि घर में मनी प्लांट लगाने पर सुख-समृद्धि में होने के साथ धन का आगमन बढ़ता है। इसी के चलते लोग अपने घरों में यह पौधा लगाते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार मनी प्लांट का पौधा घर में उचित दिशा में नहीं लगाया गया है तो आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ सकता है।

- वास्तु शास्त्रियों का मानना है कि मनी प्लांट के पौधे के घर में लगाने के लिए आग्नेय दिशा सबसे उचित दिशा है। इस दिशा में यह पौधा लगाने से सकारात्मक ऊर्जा का भी लाभ मिलता है।
- मनी प्लांट को आग्नेय यानी दक्षिण-पूर्व दिशा में लगाने का कारण यह है कि इस दिशा के देवता गणेश जी हैं जबकि प्रतिनिधि शुक्र हैं।
- गणेश जी अमंगल का नाश करने वाले हैं जबकि शुक्र सुख-समृद्धि लाने वाले। यही नहीं, बल्कि बेल और लता का कारण शुक्र ग्रह को माना गया है। इसलिए मनी प्लांट को आग्नेय दिशा में लगाना उचित माना गया है।
- मनी प्लांट को कभी भी ईशान यानी उत्तर-पूर्व दिशा में नहीं लगाना चाहिए।
- यह दिशा इसके लिए सबसे नकारात्मक मानी गई है, क्योंकि ईशान दिशा का प्रतिनिधि देवगुरु बृहस्पति माना गया है और शुक्र तथा बृहस्पति में शत्रुवत संबंध होता है। इसलिए शुक्र से संबंधित यह पौधा ईशान दिशा में होने पर नुकसान होता है। हालांकि इस दिशा में तुलसी का पौधा लगाया जा सकता है।
- कहा जाता है मनी प्लांट की जमीन छूती पत्तियों से सुख-समृद्धि में रुकावट आती है और यह सफलता में भी बाधक है। यदि ऐसा हो तो उसे किसी का सहारा देखकर ऊपर की ओर चढ़ाएं।
- मनी प्लांट की पत्तियां अगर सूखने लगें तो उसे तुरंत ही हटा दें।

गलत दिशा में लगा मनी प्लांट आपको आर्थिक नुकसान भी पहुंचा सकता है यानी आपको धन हानि, नुकसान का सामना भी करना पड़ सकता है।

गंगाजी को 'जाह्नवी' क्यों कहते हैं

धार्मिक शास्त्रों के अनुसार गंगा के विषय में एक प्रचलित कथा है। इसके अनुसार एक बार गंगा जी तीव्र गति से बह रही थी। उस समय जह्नु भगवान के ध्यान में लीन थे। उस समय गंगा जी भी अपनी गति से बह रही थी। उस समय जह्नु ऋषि के कमंडल और अन्य सामान भी वहीं पर रखा था।

जिस समय गंगा जी जह्नु ऋषि के पास से गुजरी तो वह उनका कमंडल और अन्य सामान भी अपने साथ बहा ले गई। जब जह्नु ऋषि की आंख खुली तो अपना सामान न देख वे क्रोधित हो गए। उनका क्रोध इतना गहरा था कि अपने गुस्से में वे पूरी गंगा को पी गए, जिसके बाद भगीरथ ऋषि ने जह्नु ऋषि से आग्रह किया कि वे गंगा को मुक्त कर दें। जह्नु ऋषि ने भगीरथ ऋषि का आग्रह स्वीकार किया और गंगाजी को अपने कान से बाहर निकाला। जिस समय यह घटना घटी थी, उस समय वैशाख पक्ष की सप्तमी तिथि थी। इस दिन को गंगा का दूसरा जन्म माना और कहा भी जाता है। अत: जह्नु की कन्या होने की कारण ही गंगाजी को 'जाह्नवी' कहते हैं।

कई लोग हनुमान चालीसा नियमित पढ़ते हैं और कई लोग मंगलवार या शनिवार को ही हनुमान चालीसा पढ़ते हैं। लेकिन बहुत कम लोग यह जानते हैं कि हनुमान चालीसा पढ़ने का सही तरीका क्या है। आओ जानते हैं कि किस तरह पढ़ना चाहिए हनुमान चालीसा की हमें मिले उत्तम फल। हनुमान चालीसा पाठ के नियम

हनुमान चालीसा पढ़ने का सही तरीका

आह्वान

हनुमान चालीसा का पाठ करने के पहले कई लोग उनका और श्रीरामजी का आह्वान करके पाठ नहीं करते हैं।

समय

हनुमान चालीसा का पाठ करने के लिए समय निर्धारित करना चाहिए। कई लोग जब उनका मन करता है तब उसका पाठ करते हैं और जब मन करता है तब नहीं। यह गलती कई लोग करते हैं।

स्थान

हनुमान चालीसा एक पवित्र जगह पर बैठकर ही करना चाहिए। खासकर या तो आपके घर के पूजास्थल पर, मंदिर में, तीर्थ क्षेत्र में या पहले से नियुक्त साफ सफाई करके पवित्र की गई जगह पर। हर कहीं या सड़क पर इसका पाठ नहीं होता।

भक्त बनें

कई लोग हनुमान चालीसा का पाठ तब करते हैं जबकि उनके उपर कोई संकट आता है। कहते हैं कि दु:ख में सुमिरन सब करे सुख में करै न कोय। जो सुख में सुमिरन करें तो दु:ख काहे को होऊ।

दोहे

कई लोग पाठ तो करते हैं लेकिन उसके दोहे नहीं पढ़ते हैं जो हनुमान चालीसा का ही अंग है।

चालीसा दिन तक पाठ

100 बार हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए। सौ बार नहीं कर सको तो 11 बार करो। 11 बार न हो तो 9 बार करो। 9 बार नहीं कर सको तो 7 बार करो। 7 बार न कर सको तो 5 बार करो और 5 बार न कर सको तो 3 बार करो और 3 बार भी नहीं कर सकते हो तो 1 बार प्रतिदिन करो चालीसा और कम से कम 40 दिन तक करने के बाद उन्हें लंगोट जरूर भेंट करें।

अर्पण

हनुमान चालीसा का पाठ करने के पहले उनके चित्र या मूर्ति को पवित्र जल से पवित्र करके उन्हें तुलसी की माला या जनेऊ पहनाकर भक्ति भाव से उनकी पसंद का भोग अर्पण करके कई लोग हनुमान चालीसा नहीं पढ़ते हैं।

मध्यम स्वर

कई लोग हनुमान चालीसा का पाठ ऊंचे स्वर में अशुद्ध उच्चारण के साथ करते हैं या एकदम नीचे स्वर में इसका पाठ करते हैं। यह गलती सभी करते हैं।

पवित्रता

हनुमान चालीसा के पाठ के दौरान ब्रह्मचर्य, पवित्रता, शुद्धता, साफ सफाई का ध्यान कई लोग नहीं रखते हैं। महिलाएं यदि हनुमान चालीसा का पाठ कर रही हैं तो उन्हें इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि वे उन्हें टच न करें। कई लोग यह गलती करते हैं।

खुद के नाम का उच्चारण

यह भी मान्यता है कि जहां पर लिखा है कि 'तुलसीदास सदा हरि चेरा कीजै नाथ हृदय मंह डेरा।' यहां तुलसीदास की जगह आपको आपके नाम का उच्चारण करना चाहिए। कई लोग यह गलती करते हैं इसीलिए उन्हें लाभ प्राप्त नहीं होता है।

दीपक

हनुमान चालीसा के पाठ के पहले दीप प्रज्वलित जरूर करना चाहिए। दीपक में जो बाती लगाई जा रही है वह भी लाल सूत (धागे) की होनी चाहिए। किसी भी स्थल पर पूजा करने के पूर्व दीप जरूर प्रज्वलित करें। हनुमान पूजा के दौरान जो दीपक जला रहे हों उसमें चमेली का तेल या शुद्ध घी होना चाहिए।

वस्त्र

हनुमानजी चालीका पाठ के दौरान सिर्फ एक वस्त्र पहनकर ही चालीसा का पाठ करें या उनकी पूजा करें।

आसन

हनुमान मूर्ति या चित्र को लकड़ी के पाठ पर लाल कपड़ा बिछाकर स्थापित करें और खुद कुश के आसन पर बैठकर ही चालीसा का पाठ करें या पूजा करें।

पाठ आवृत्ति

100 बार हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए। सौ बार नहीं कर सको तो 11 बार करो। 11 बार न हो तो 9 बार करो। 9 बार नहीं कर सको तो 7 बार करो। 7 बार न कर सको तो 5 बार करो और 5 बार न कर सको तो 3 बार करो और 3 बार भी नहीं कर सकते हो तो 1 बार प्रतिदिन करो। हनुमान चालीसा का पाठ करते वक्त यदि आप इन बातों का ध्यान रखते हैं तो आपको हनुमान जी की कृपा जरूर प्राप्त होती है।

संक्षिप्त समाचार

न्यूजीलैंड ने चौथे टी-20 में पाकिस्तान को हराया

लाहौर, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने चौथे टी-20 मुकाबले में गुरुवार को पाकिस्तान को 4 रन से हराया। इस जीत के बाद न्यूजीलैंड पांच मैचों की टी-20 सीरीज में 2-1 से आगे हो गई है। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग का फैसला लिया। पहले बैटिंग करते हुए न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 178 रन बनाए। जवाब में पाक टीम 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 174 रन ही बना पाई। न्यूजीलैंड के लिए ओपनर टिम रॉबिन्सन (51) ने अर्धशतक लगाया। राइट आर्म पेसर विलियम ओरूर्के ने तीन विकेट लिए। ओरूर्के को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

रॉबिन्सन ने 51 रन की पारी खेली

न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में 7 विकेट पर 178 रन बनाए। न्यूजीलैंड की ओर से इसी सीरीज में डेब्यू करने वाले टिम रॉबिन्सन ने 36 गेंदों पर 51 रन बनाए। उनके अलावा डीन फॉक्सक्रॉफ्ट 26 गेंदों पर 34 और टॉम ब्लंडल ने 15 गेंदों पर 28 रन बनाए। पाकिस्तान की ओर से अब्बास अफरीदी ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए।

कर्ण, कैमरून, स्वप्निल की शानदार गेंदबाजी, छह हार के बाद आरसीबी की जीत

हैदराबाद, एजेंसी । कर्ण शर्मा, कैमरून ग्रीन और स्वप्निल सिंह की शानदार गेंदबाजी के दम पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुरुवार को यहां राजीव गांधी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद को 35 रन से हराकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में लगातार छह हार के बाद अपनी पहली जीत दर्ज की। तीनों ने दो-दो विकेट चटकाए। कर्ण शर्मा ने तीन ओवरों में 29 रन देकर दो विकेट लिए।

कैमरून ग्रीन ने दो ओवरों में 12 रन देकर दो विकेट हासिल किए जबकि स्वप्निल सिंह ने खतरनाक एडेन मार्क्रम (7) और हेनरिक क्लासेन (7) को आउट करके एक प्रभावशाली खिलाड़ी के रूप में अपनी पहचान बनाई। इससे पहले विराट कोहली और रजत पाटीदार के अर्धशतकों की मदद से बेंगलुरु ने 20 ओवरों में 206/7 का स्कोर खड़ा किया। कैमरून ग्रीन ने शानदार हरफनमौला प्रदर्शन किया और गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन के अलावा 20 गेंदों में 37 रनों की पारी खेली और एक अच्छा कैच भी लिया। एसआरएच लक्ष्य का पीछा करते हुए 20 ओवरों में 171/8 ही बना सकी।

यह देखते हुए कि एसआरएच ने इस सीज़न में दो सबसे बड़े स्कोर बनाए हैं, यह उनके लिए बहुत कठिन लक्ष्य नहीं था। आईपीएल की अपनी तीसरी हार के साथ टीम तीसरे स्थान पर बनी हुई है। आरसीबी ने अब दो जीत के साथ सबसे नीचे है।

नडाल ने मैड्रिड में ब्लैंच को हराया, अगला मुकाबला डी मिनौर से होगा

मैड्रिड, एजेंसी। राफेल नडाल ने मैड्रिड ओपन में विजयी शुरुआत की, जब उन्होंने 16 वर्षीय वाइल्ड कार्ड डार्विन ब्लैंच को 64 मिनट के बाद 6-1, 6-0 से हराया। मैड्रिड में पांच बार के चैंपियन, नडाल काजा मैगिका में सबसे अधिक जीत (57) जीत हासिल कर चुके हैं, जहां घरेलू पसंदीदा ने पहली बार 2008 में खिताब जीता था और हाल ही में 2017 में जीत हासिल की थी।

एटीपी आंकड़ों के अनुसार, एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर पर दो विरोधियों के बीच उम्र का सबसे बड़ा अंतर (21 वर्ष, 117 दिन) था, जिसमें नडाल ने अपने रिटर्न पॉइंट का 59 प्रतिशत जीता और उन्हें अपनी सर्विस पर एक भी ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा। नडाल ने कहा, वह एक बहुत युवा खिलाड़ी है, मुझे लगता है कि उसके सामने बहुत अच्छा भविष्य है। उसके पास बहुत शक्तिशाली शॉट हैं, लेकिन मुझे लगता है कि उसमें निरंतरता की कमी है। मैं उसे शुभकामनाएं देता हूं। मैंने अच्छा खेला, मैं खुश हूं, इससे मुझे फायदा हुआ। मैड्रिड में एक और दिन बिताने का अवसर, जो मेरे लिए बहुत मायने रखता है, मुझे इन टूर्नामेंटों में खेलने की ज़रूरत है और मुझे लगता है कि यह सुधार की प्रक्रिया का हिस्सा है।

नडाल, जो मैड्रिड में अपनी 20वीं उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं, टूर्नामेंट के दूसरे दौर में दसवीं वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनौर के खिलाफ खेलेंगे, जिनसे उनका सामना एक सप्ताह पहले बार्सिलोना की धरती पर हुआ था। नडाल ने कहा, पिछले सप्ताह ऐसा नहीं होना था और इस सप्ताह मुझे यकीन है कि यह अधिक कठिन होगा। लेकिन मुझे फिर से खेलने का मौका मिलेगा। अब जो कुछ भी आता है वह एक उपहार है, इसलिए मैं खुश हूं।

चयनकर्ता इस सप्ताह के अंत में टी-20 विश्व कप के लिए टीम की घोषणा कर सकते हैं : बीसीसीआई

नई दिल्ली, एजेंसी। एक जून से वेस्टइंडीज और यूएसए में खेले जाने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा करने के लिए वरिष्ठ राष्ट्रीय चयनकर्ताओं की इस सप्ताह के अंत में मुंबई में बैठक होने की संभावना है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों ने यह जानकारी दी। आईसीसी ने भाग लेने वाले बोर्डों के लिए विश्व कप के लिए अपने अस्थायी टीमों की घोषणा करने के लिए 1 मई की समय सीमा निर्धारित की है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 सीज़न में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर एक संतुलित 15 सदस्यीय टीम चुनने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।

सूत्रों ने कहा कि वे (चयनकर्ता) 15 सदस्यीय टीम चुनने के लिए 27 या 28 अप्रैल को बैठेंगे। टीम का नाम बताना वास्तव में कठिन होगा क्योंकि मौजूदा आईपीएल में कुछ युवा खिलाड़ी वास्तव में प्रभावशाली हैं।

7 बल्लेबाज 0 पर आउट... 17 साल की गेंदबाज ने मचाई सनसनी, फेंका बेस्ट स्पेल

टी20 क्रिकेट में बना वर्ल्ड रिकॉर्ड

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट में रिकॉर्ड का बड़ा क्रेज होता है. दिलचस्प आंकड़े हमेशा लुभाते रहे हैं. कई बार तो ऐसा लगता है कि यह रिकॉर्ड नहीं टूट पाएगा. लेकिन तभी कोई ख?िलाड़ी अपने प्रदर्शन से चौंका देता है. ऐसा ही एक रिकॉर्ड 17 साल की गेंदबाज ने बनाया है. इस इंडोनेशियाई किशोरी ने टी20 इंटरनेशनल में बिना कोई रन दिए 7 विकेट चटकाए (3.2-3-0-7), जो वर्ल्ड रिकॉर्ड है. इतना ही नहीं टी20 फॉर्मेट में यह सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी है.

दरअसल, अपना डेब्यू मैच खेल रही इंडोनेशिया की रोहमालिया रोहमालिया ने यह कारनामा कर दिखाया है. यहां गौर करने वाली बात यह है कि इंडोनेशिया की रोहमालिया ने शून्य रन देकर देकर 7 विकेट हासिल किए, जो सभी टी20 इंटरनेशनल (पुरुष और महिला) में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी का आंकड़ा है. ऐसा आज तक कोई नहीं कर सका है. बाली में मंगोलिया के खिलाफ द्विपक्षीय सीरीज के पांचवें टी20 इंटरनेशनल में स्पिनर रोहमालिया ने 20 गेंदें फेंकी, ये सभी डॉट गेंदें रहीं. इस दौरान रोहमालिया ने सात बल्लेबाजों को शून्य पर आउट किया. अर्जेंटीना की एलिसन स्टॉक्स (3 रन पर 7 विकेट) और नीदरलैंड की फेडरिक ओवरडिज्क (3 रन पर 7 विकेट) के बाद रोहमालिया महिला टी-20 में 7 विकेट लेने वाली तीसरी गेंदबाज हैं. बुधवार (24 अप्रैल) को खेले गए सीरीज के पांचवें टी20 मैच में इंडोनेशिया ने 151 रन बनाए थे. इसके बाद इंडोनेशिया के गेंदबाजों ने मंगोलिया को 24 रन पर ऑलआउट कर दिया. इंडोनेशिया ने इसके साथ ही 24 अप्रैल को छठा मैच खेला, इस तरह सीरीज 6-0 से जीत ली.

आईपीएल के बीच धोनी के नाम से वायरल हो रहा फर्जी पोस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2024 में बल्ले से धूम मचा रहे एमएस धोनी के नाम को लेकर एक फर्जी पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें एक मैसेज है और उनके नाम पर पैसे की मदद मांगी गई है। ऑनलाइन स्कैमिंग का एक नया दौर शुरू हो चुका है।

सोशल मीडिया के जमाने में ऑनलाइन स्कैम का धंधा काफी तेजी से फल-फूल रहा है। लोगों को अपने जाल में फंसाने के लिए स्कैमर्स तरह-तरह की योजना बनाते हैं। वहीं अब इन स्कैमर्स ने क्रिकेट फैंस को टारगेट किया है। स्कैमर्स लोगों को पैसे ठगने के लिए मैसेजिंग ऐप और सोशल मीडिया पर पूर्व भारतीय कप्तान और सीएसके के स्टार एमएस धोनी के नाम से पैसे मांग रहे हैं। ये पोस्ट सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। पोस्ट में स्कैमर्स ने धोनी बनकर यह दावा किया है कि मैं महेंद्र सिंह धोनी हूं और मैं एक प्राइवेट अकाउंट से आप लोगों को मैसेज कर रहा हूं। मैं रांची के बाहरी क्षेत्र में फंस गया हूं और मैं यहां आते वक्त अपना वॉलेट लाना भूल गया था। मुझे वापस बस से घर लौटना है। क्या आपलोग मुझे फोन पे पर 600 रुपए ट्रांसफर कर दोगे। मैं घर जाकर आपके पैसे लौटा दूंगा। इस पोस्ट में ठग ने धोनी की एक फोटो भी शेयर की है। यह पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो चुकी है। लाखों लोगों ने इस पर अपना रिएक्शन दिया है।

कुछ ने इसे रिपोर्ट किया है, तो कुछ कमेंट में क्यूआर कोड मांग रहे हैं। हालांकि, अच्छी खबर यह कि कोई भी इस ठग का शिकार नहीं बना। इस बीच डीओटी इंडिया के ऑफिशियल अकाउंट पर एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया गया है। एक्स पर डीओटी इंडिया ने लिखा, आपको धोखा देने की कोशिश करने वाले घोटालेबाजों से सावधान रहें! यदि कोई दिग्गज क्रिकेटर एमएस धोनी होने का दावा करता है और आपसे बस टिकट खरीदने के लिए पैसा मांगता है, तो यह एक गुगली है जिससे आपको बचना होगा। ऐसे अंकाउंट को तुरंत रिपोर्ट करें।

आईपीएल- 2024: बतौर ओपनर विराट का बड़ा कारनामा

हैदराबाद , एजेंसी। हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में आरसीबी ने 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 206 रन बनाए। इसके जवाब में सनराइजर्स 20 ओवर में आठ विकेट खोकर सिर्फ 171 रन बना सकी। किंग कोहली ने 43 गेंदों में 51 रनों की शानदार पारी खेली। आईपीएल 2024 का 41वां मैच गुरुवार को सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेला गया।

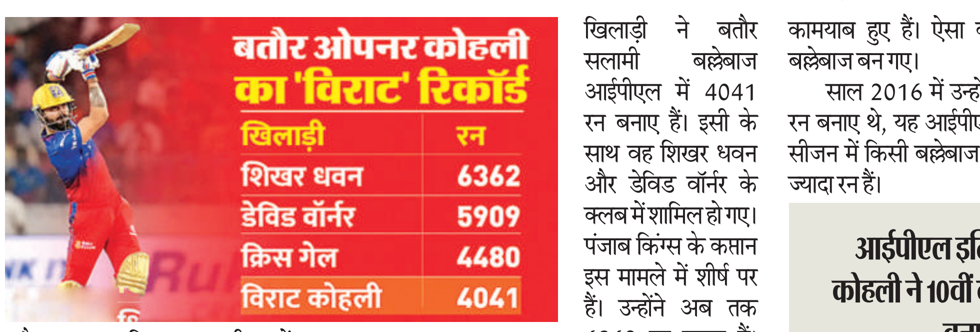

इस मुकाबले में आरसीबी ने एसआरएच का किला भेद दिया। बल्लेबाजी के दौरान विराट कोहली औ र रजत पाटीदार ने दमदार प्रदर्शन किया। दोनों ने ताबड़तोड़ अर्धशतक लगाए। दिलचस्प बात यह है कि किंग कोहली ने बतौर सलामी बल्लेबाज आईपीएल में 4000 रन पूरे कर लिए। हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में आरसीबी ने 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 206 रन बनाए। इसके जवाब में सनराइजर्स 20 ओवर में आठ विकेट खोकर सिर्फ 171 रन बना सकी। किंग कोहली ने 43 गेंदों में 51 रनों की शानदार पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से चार चौके और एक छक्का निकला। इस सीजन में यह उनका चौथा अर्धशतक है। वहीं, पाटीदार ने महज 20 गेंदों का सामना किया और 50 रनों की तूफानी पारी खेली। उनके बल्ले से इस सीजन का यह तीसरा अर्धशतक निकला।

4000+ रन बनाने वाले बल्लेबाज बने कोहली

आरसीबी के लिए बतौर ओपनर किंग कोहली ने बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने 4000 रन पूरे कर लिए। 35 वर्षीय खिलाड़ी ने बतौर सलामी बल्लेबाज आईपीएल में 4041 रन बनाए हैं। इसी के साथ वह शिखर धवन और डेविड वॉर्नर के क्लब में शामिल हो गए। पंजाब किंग्स के कप्तान इस मामले में शीर्ष पर हैं। उन्होंने अब तक 6362 रन बनाए हैं। वहीं, दिल्ली कैपिटल्स के स्टार बल्लेबाज वॉर्नर के नाम 5909 रन दर्ज हैं। इस मामले में तीसरे नंबर पर दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल का नाम दर्ज है, जिन्होंने 4480 रन बनाए हैं। विराट इस लिस्ट में चौथे नंबर पर हैं।

आईपीएल में 10वीं बार कोहली ने पूरे किए 400+ रन

दिलचस्प बात यह है कि 2011 से लगातार 10वीं बार विराट कोहली 400+ रन बनाने में कामयाब हुए हैं। ऐसा करने वाले वह पहले बल्लेबाज बन गए।

साल 2016 में उन्होंने सबसे ज्यादा 973 रन बनाए थे, यह आईपीएल के इतिहास में एक सीजन में किसी बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सबसे ज्यादा रन हैं।

आईपीएल इतिहास में विराट कोहली ने 10वीं बार 400+ रन बनाए

2011 में 557 रन
2013 में 634 रन
2015 में 505 रन
2016 में 973 रन
2018 में 530 रन
2019 में 464 रन
2020 में 466 रन
2021 में 405 रन
2023 में 639 रन

अपने एग्स फ्रीज कराएंगी मृणाल

साउथ और हिंदी फिल्मों की एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने हाल ही में अपने एग्स फ्रीज कराने के बारे में बात की है। उन्होंने सही पार्टनर को चुनने की मुश्किल पर भी काफी कुछ कहा है। एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि वो बेहतर जिंदगी के लिए थेरेपी भी ले रही हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में, एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने काम और अपनी लाइफ के बीच संतुलन बनाने, अपने एग्स फ्रीज कराने और बहुत कुछ के बारे में बात की। मृणाल ने बताया कि जब उनका दिन खराब चल रहा हो तो वह कैसे बात करना पसंद करती हैं।

एक्ट्रेस ने इंटरव्यू में कहा कि उनके लिए अपनी लाइफ और करियर के बीच सही संतुलन बनाना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा- लाइफ और करियर में संतुलन बनाना बहुत जरूरी है लेकिन आप हमेशा यह पता लगाने की कोशिश करते रहते हैं कि उस संतुलन को कैसे बनाया जाए। मैं जानती हूं कि रिश्ते मुश्क्ल होते हैं और इसीलिए आपको सही साथी ढूंढने की ज़रूरत है जो आपके काम को समझता हो। मैं एग्स को फ़्रीज़ करने के बारे में भी सोच रही हूं। मृणाल ने कहा यह बात सामने आई कि एक्ट्रेस मोना सिंह ने हाल ही में अपने एग्स को फ़्रीज करने के बारे में बात की है। मृणाल ने उन दिनों के बारे में भी बताया जब वह बिस्तर से बाहर नहीं निकलना चाहती थीं, फिर भी उन्हें काम पर जाना पड़ता था और सीन शूट करने पड़ते थे। उन्होंने खुलासा किया कि वह ऐसे दिनों से उबरने के लिए थेरेपी और अपने लोगों पर भरोसा करती हैं।

थेरेपी ले रही हैं मृणाल ठाकुर

एक्ट्रेस बोलीं- मैं अपने काम को बैंडएड की तरह इस्तेमाल कर रही थी, लेकिन जैसे ही मैंने सामान पैक किया और घर गई, मैं दुखी थी। अब, मैं इसे अपने सिस्टम से बाहर निकालने के लिए बात करती हूं। मैं थेरेपी लेती हूं, यह किसी के लिए भी जरूरी है, खासकर उन एक्टर्स के लिए जो अलग-अलग किरदार निभाते हैं।

मुझे लड़कियां पसंद हैं... बिली

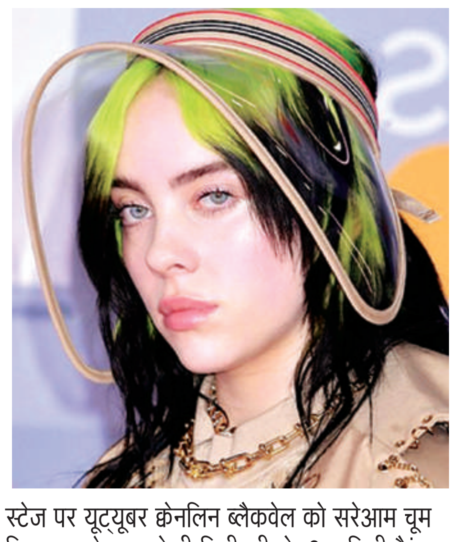

महज 22 साल की उम्र में दुनियाभर में अपनी सिंगिंग से धूम मचाने वाली बिली एलीश ने पहली बार अपनी यौन इच्छाओं और पसंद-नापसंद पर चुप्पी तोड़ी है। सिंगर ने एक इंटरव्यू में कहा है कि उन्हें लड़के नहीं,बल्कि लड़कियां पसंद है। बिली एलीश का कहना है कि उन्हें पिछले साल इसका एहसास हुआ है।

अमेरिकी सिंगर बिली एलीश के नाम से आप जरूर वाकिफ होंगे। महज 22 साल की बिली, दो-दो ऑस्कर अवॉर्ड जीत चुकी हैं। वह नौ ग्रैमी अवॉर्ड जीत चुकी हैं। उनके नाम दो गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स भी है। इस महीने की शुरुआत में बिली एलीश ने कोचेला म्यूजिक वैली फेस्टिवल में अपनी दमदार परफॉर्मेंस से सबको दीवाना बना दिया। लेकिन इस दौरान कुछ ऐसा भी हुआ, जिसे देख सब चौंक गए। बिली एलीश ने स्टेज पर यूट्यूबर क्वेनलिन ब्लैकवेल को सरेआम चूम लिया। इसके बाद से ही बिली की सेक्?सुएलिटी फैंस के बीच चर्चा का विषय है। बहरहाल, अब सिंगर ने खुद ही यह साफ कर दिया है कि उन्हें लड़के नहीं, बल्कि लड़कियां पसंद हैं। जाहिर तौर पर बिली एलीश का यह गाना महिलाओं के साथ प्यार करने की बात करता है। अब नए इंटव्यू में इस पर बात करते हुए वह कहती हैं, यह गाना असल में उस एक चीज का हिस्सा था, जिसने मुझे वह बनाया, जो मैं वाकई हूं। मैंने इसके कुछ बोल हालांकि, तब लिखे थे, जब मैं किसी लड़की के साथ रिश्ते में नहीं थी। मैं जीवनभर लड़कियों से ही प्यार करती रही हूं, लेकिन मैं इसे समझ नहीं पाई।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में युगांडा की युवती से चार युवकों ने की हैवानियत

दक्षिणी दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में विदेशी युवती के साथ दरिंदगी का एक और मामला सामने आया है। छतरपुर इलाके में गुरुवार को युगांडा की युवती से चार युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म किया फिर उसकी बेरहमी से पीटाई कर दी। आरोपितों ने गुरुवार रात को महरौली अंधेरिया मोड स्थित 100 फुटा रोड पर घटना को अंजाम दिया। मामले की जानकारी पुलिस को होने पर युवती को एम्स में भर्ती कराया गया। सभी आरोपी वारदात को अंजाम देकर युवती को गंभीर रूप से घायल कर नग्न अवस्था में छोड़कर फरार हो गए। युवती खून से लथपथ हालत में सड़क पर मदद के लिए चिल्लाती रही। किसी राहगीर ने पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने महिला को तत्काल एम्स में भर्ती कराया। जानकारी के मुताबिक, युगांडी की रहनेवाली युवती छतरपुर में किराए पर रहती है। वह एक साल पहले ही भारत आई थी। पुलिस ने संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। इलाके में आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को भी खंगाला जा रहा है, ताकि आरोपी को लेकर कोई जानकारी मिल सके। फिलहाल मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

सीएम की सलाह बहाना, पिछले साल भी एलजी ने की थी मनमानी

नई दिल्ली, एजेंसी। आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने भाजपा पर अनुसूचित जाति एवं जनजाति विरोधी होने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि महापौर चुनाव के मद्देनजर पीठासीन अधिकारी की नियुक्ति के लिए सीएम अरविंद केजरीवाल की सलाह न मिलना तो एक बहाना है, असल में भाजपा नहीं चाहती कि महापौर की कुर्सी पर कोई अनुसूचित जाति या जनजाति का व्यक्ति बैठे। आप मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर संजय सिंह ने कहा कि पिछले साल सीएम ने सबसे वरिष्ठ पार्षद मुकेश गोयल को पीठासीन अधिकारी बनाने की संस्तुति की थी, लेकिन तब भी एलजी ने अपनी मर्जी से भाजपा पार्षद सत्या शर्मा को पीठासीन अधिकारी नियुक्त कर दिया। जब अपनी ही मर्जी चलानी थी तो इस बार भी कोई पीठासीन अधिकारी बनाया जा सकता था। लेकिन ऐसा न करके भाजपा ने चुनाव ही नहीं होने दिया। संजय ने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर ने देश में सभी को बराबरी का अधिकार दिया है, लेकिन भाजपा उसे भी खत्म करना चाहती है। चंडीगढ़ महापौर चुनाव में भी यही हुआ था।

बैनर-पोस्टर में ही दिख रहे हैं कन्हैया, करीबी बोले- 28 को होगी पूर्वी दिल्ली में धमाकेदार एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी। आप और भाजपा प्रत्याशी जनसंपर्क अभियान में जुटे हैं, लेकिन कांग्रेस प्रत्याशी अभी ज्यादा दूर तक नहीं चल सके हैं। इसमें भी उत्तर-पूर्वी दिल्ली लोकसभा में प्रचार अभियान की शुरुआत तक नहीं दिखाई पड़ रही है। दिल्ली लोकसभा चुनाव प्रचार में कांग्रेस काफी पिछड़ती नजर आ रही है। आप और भाजपा प्रत्याशी जनसंपर्क अभियान में जुटे हैं, लेकिन कांग्रेस प्रत्याशी अभी ज्यादा दूर तक नहीं चल सके हैं। इसमें भी उत्तर-पूर्वी दिल्ली लोकसभा में प्रचार अभियान की शुरुआत तक नहीं दिखाई पड़ रही है। नाम घोषित होने के 11 दिन बाद भी कांग्रेस प्रत्याशी कन्हैया कुमार प्रचार को धार नहीं दे रहे हैं। हालांकि, पोस्टर-बैनर में दिखाई पड़ रहे है, लेकिन पार्टी सूत्र बताते हैं कि अभी तक न तो कार्यकर्ताओं के साथ किसी तरह की बैठक हुई है और न ही सीधा परिचय। भले ही कन्हैया अपने क्षेत्र में 11 दिन बाद भी नजर नहीं आए है। करीबियों का कहना है कि 28 व 29 अप्रैल से वे धमाकेदार एंट्री कर रहे है। कांग्रेस ने उत्तर- पूर्वी दिल्ली सीट से कन्हैया कुमार को उम्मीदवार बनाया है। भाजपा ने अपने दो बार से सांसद रहे मनोज तिवारी पर तीसरी बार दांव लगाया है। दोनों पूर्वांचलियों के चुनाव मैदान में उतरने से मुकाबला काफी रोचक हो गया है।

महादेव गेमिंग ऐप से अरबों रुपए की ठगी में लखनऊ से इंडिया हेड अभय सिंह समेत दो गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी।
एसटीएफ ने दुबई में महादेव बेटिंग और अन्य दर्जन भर गेमिंग ऐप से सट्टा लगवाकर अरबों रुपये की ठगी के मामले में इंडिया हेड अभय सिंह व संजीव सिंह को गुरुवार शाम विभूति खंड से गिरफ्तार किया। आरोप है कि महादेव गेमिंग ऐप का प्रमोटर सौरभ चन्द्राकर और अभय का फुफेरा भाई अभिषेक सिंह दुबई में गिरोह का संचालन कर रहे हैं। अभिषेक ने ही अभय को लालच देकर साथ में जोड़ा था। इन लोगों ने कई फर्जी कंपनियां बनाईं जिनके नाम से गेमिंग ऐप बनाकर ठगी हुई। अभय व संजीव मजदूरों व अन्य लोगों के नाम से सिम खरीदकर पोर्ट करवाते, फिर कारपोरेट सिम कार्ड के रूप में दुबई भेजते। इन सिम कार्ड से गेमिंग ऐप चलाकर ठगी की जाती थी।

गिरफ्तार अभय सिंह ने एसटीएफ अफसरों के सामने खुलासा किया कि आईपीएल के कर मैचों में करोड़ों रुपये का सट्टा लगाया जा रहा है। ये सट्टा टेलीग्राम व व्हाटसएप के जरिये लगाया जा रहा है। दूसरे आरोपी संजीव कुमार ने भी इसे सही बताया है।

महादेव बुक व अन्य नामों से बनाये गये गेमिंग एप से अरबों रुपये का फर्जीवाड़ा करने वालों ने सारा खेल दुबई से ही खेला। दुबई में संचालन कर रहे सौरभ चन्द्राकर व अभिषेक सिंह ने इंडिया हेड अभय सिंह के जरिये करोड़ों रुपये की कमाई हर महीने की। अभय ने खुलासा किया कि उसने वर्ष 2021 से अब तक चार हजार से अधिक सिम कार्ड दुबई भेजे। कारपोरेट सिम लेने के लिये 32 कम्पनियां बनायी। फिर इन कम्पनियों के नाम से ही सिम लिये और उन्हें दूसरी टेलीकॉम कम्पनी में पोर्ट कराया।

छह माह में वेतन 75 हजार अभय को जब कम्पनी से जोड़ा गया तो उसने 25 हजार रुपये महीना और प्रति सिम पांच सौ रुपये अलग से देने को कहा गया था। उसने बताया कि सिम पोर्ट कराने का काम उसने तेजी से शुरू किया। पोर्ट करने के लिये यूपीसी कोर्ड छत्तीसगढ़, भिलाई निवासी चेतन जोशी भेजता था। वह दुबई में अभिषेक के साथ काम कर रहा था। अभय ने एक महीने में 35 सिम एक्टीवेट कराये, फिर शुभम सोनी उर्फ पिंटू के जरिये दुबई भेजने लगा था। उसकी सैलरी तीन गुना बढ़ा कर 75 हजार रुपये कर दी गई। सिम के एक्टीवेट कराने पर दो हजार अलग से दिये जाने लगे।

अभय ने खुलासा किया कि ट्राई ने फरवरी 2024 से कारपोरेर्ट सिम लेने पर कम्पनी के साथ कर्मचारियों के नाम भी केवाईसी होना अनिवार्य कर दिया गया था। यह केवाईसी लिंक के जरिये होती थी। इस पर इन लोगों ने एक कम्पनी में पांच-छह कर्मचारी ही दिखाये और फर्जी दस्तावेज से केवाईसी कराने लगे। एक व्यक्ति के नाम पर पांच-छह सिम खरीद जाते थे। इस गिरोह ने गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज, जयपुर, पुणे, मुंबई, भुवनेश्वर समेत कई शहरों से फर्जी तरीके से सिम पोर्ट/एक्टिवेट कराये। इन मोबाइल नम्बरों से ही ये लोग व्हाट्सएप या टेलीग्राम एक्टिवेट कर ग्रुप बनाते, फिर उससे ठगी करने लगते।

एसटीएफ के एएसपी विशाल विक्रम सिंह ने बताया कि कई जांच एजेन्सियां फर्जीवाड़े की जांच कर रही है। पर, इस गिरोह के आका का मुख्य स्त्रत्तेत और काम करने का क्या तरीका है...इसका खुलासा पहली बार हुआ है। गिरफ्तार अभय सिंह के खिलाफ एक मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तार अभय सिंह व संजीव सिंह ने चौंकाने वाला खुलासा किया कि दुबई में महादेव बुक गेमिंग एप के जरिये अरबों रुपये का फर्जीवाड़ा करने में भारत के 10 से 12 हजार युवक दुबई भेजे गये हैं। इन सबको प्रमोटर सौरभ चन्द्राकर व अभिषेक सिंह ने अपनी कम्पनी में नौकरी दे रखी है। ये लोग इस कम्पनी में अलग-अलग शिफ्ट में काम कर रहे है।

स्पाइडरमैन बन बॉयफ्रेंड और गर्लफ्रेंड ने दिल्ली की सड़कों पर दौड़ाई बाइक, पुलिस ने पकड़कर काटा चालान

नई दिल्ली, एजेंसी।
स्टंटबाजी करते हुए नकली स्पाइडरमैन बिना हेलमेट के बाइक को दौड़ा रहा है। स्पाइडर गर्ल की कॉस्ट्यूम में उसकी गर्ल फ्रेंड भी उसके पीछे बैठी है। इस दौरान उन्होंने यातायात नियमों का उल्लंघन करते हुए अपनी ही नहीं बल्कि दूसरों की जान को भी खतरे में डाला।

सोशल मीडिया पर फेमस होने के लिए लोग तरह-तरह के काम करते हैं। जिन्हें देखकर लोग हैरान हो जाते हैं और सोचने को मजबूर हो जाते हैं कि आखिर कोई ऐसा कर भी कैसे सकता है। कभी-कभी ये काम उनके लिए मुसीबत भी बन जाते हैं। ऐसा ही एक मामला दिल्ली से सामने आया है। यहां बॉयफ्रेंड स्पाइडरमैन और गर्लफ्रेंड स्पाइडर गर्ल की कॉस्ट्यूम में बिना नंबर प्लेट की बाइक पर दिल्ली की सड़कों पर घूमते नजर आए। जिसका वीडियो जमकर वायरल हो रहा है।

वीडियो में दिख रहा है कि स्टंटबाजी करते हुए नकली स्पाइडरमैन बिना हेलमेट के बाइक को दौड़ा रहा है। स्पाइडर गर्ल की कॉस्ट्यूम में उसकी गर्ल फ्रेंड भी उंसके पीछे बैठी है। इस दौरान उन्होंने यातायात नियमों का उल्लंघन करते हुए अपनी ही नहीं बल्कि दूसरों की जान को भी खतरे में डाला। जब यह वीडियो वायरल हुआ तो पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों को पकड़ लिया और बाइक का चालान कर दिया।

पुलिस के मुताबिक, सोशल मीडिया पर एक मीडिया पोस्ट वायरल हुआ था। जिसमें एक व्यक्ति बिना हेलमेट पहने बिना नंबर प्लेट वाली बाइक चला रहा था और स्पाइडरमैन की वेशभूषा में स्टंट कर रहा था।मामले की जांच की गई और सवार की पहचान आदित्य वर्मा के रूप में हुई, नजफगढ़ का रहने वाले है। उसके साथ एक लड़की भी वीडियो में दिखाई दी। बिना हेलमेट के अपराध के लिए सवार पर धारा 5/180, 194डी, 3/181, 177, 125(2) सीएमवीआर/177, 184 एमवी एक्ट, 50,51 सीएमवीआर/39/192 एमवी एक्ट और 209 एमवी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मनीष सिसोदिया को कोर्ट से नहीं मिली राहत, 8 मई तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली शराब घोटाला मामले में कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जांच की जा रही मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आप नेता मनीष सिसोदिया, विजय नायर और अन्य आरोपियों की न्यायिक हिरासत 8 मई, 2024 तक बढ़ा दी है। ईडी ने कोर्ट से जवाब दाखिल का समय मांगा, जिसे अदालत ने मंजूर कर लिया। इससे पहले, गुरुवार को सीबीआई केस में मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत अदालत ने सात मई तक बढ़ा दी। सिसोदिया की भ्रष्टाचार मामले में न्यायिक हिरासत की अवधि 24 अप्रैल को समाप्त हो रही थी। सीबीआई ने अदालत से सिसोदिया की न्यायिक हिरासत बढ़ाने का अनुरोध किया था। वहीं, सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों में हुई तीखी बहस के बाद अदालत ने सिसोदिया के अधिवक्ताओं को फटकार लगाई। दिल्ली सरकार ने 17 नवंबर 2021 को नई आबकारी नीति लागू करके सरकार के राजस्व में इजाफा होने का दावा किया था। इसके बाद जुलाई 2022 में दिल्ली के तत्कालीन मुख्य सचिव ने आबकारी नीति में अनियमितता होने के संबंध में एक रिपोर्ट उपराज्यपाल वीके सक्सेना को सौंपी थी। इसमें नीति में गड़बड़ी होने के साथ ही उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पर शराब कारोबारियों को अनुचित लाभ पहुंचाने का आरोप लगाया गया था। इस रिपोर्ट के आधार पर उपराज्यपाल ने नई आबकारी नीति (2021-22) के क्रियान्वयन में नियमों के उल्लंघन और प्रक्रियात्मक खामियों का हवाला देकर 22 जुलाई 2022 को सीबीआई जांच की सिफारिश की थी। इस पर सीबीआई ने प्राथमिकी की थी और इस प्राथमिकी के आधार पर ईडी ने मनी लान्ड्रिंग का मामला दर्ज किया था। सीबीआई और ईडी का आरोप है कि आबकारी नीति को संशोधित करते समय अनियमितता की गई थी और लाइसेंसधारकों को अनुचित लाभ पहुंचाया गया था।

भरपाई कर रहा चुनाव आयोग? मोदी-राहुल को एकसाथ नोटिस पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

नईदिल्ली, एजेंसी।
कांग्रेस ने चुनाव प्रचार के दौरान आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ शिकायत का निर्वाचन आयोग द्वारा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से जवाब मांगे जाने के बाद बृहस्पतिवार को दावा किया कि जनता के दबाव में यह कदम उठाया गया है और प्रधानमंत्री को लेकर आयोग 'अत्यधिक सावधान' रहता है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि संतुलन बनाने के लिए राहुल गांधी की टिप्पणियों को लेकर नोटिस जारी कर दिया गया, जबकि दोनों नेताओं की टिप्पणियों को एक तरह से देखना अनुचित है।

आयोग ने मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की कुछ टिप्पणियों को लेकर निर्वाचन आयोग द्वारा क्रमशः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस से जवाब तलब किये हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''चुनाव आयोग ने प्रधानमंत्री के चुनावी भाषण के उस हिस्से को लेकर भाजपा अध्यक्ष को नोटिस जारी किया है, जिस पर कांग्रेस ने शिकायत दर्ज कराई थी। साथ ही साथ, लगभग उसी भाषा में, आयोग ने राहुल गांधी की उस टिप्पणी को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष को भी नोटिस जारी किया है, जिस पर भाजपा ने शिकायत की थी।'' उन्होंने कहा, ''क्या चुनाव आयोग का समान अवसर से यही मतलब है? यह तो साफ है कि प्रधानमंत्री की अपमानजनक टिप्पणियों के कारण उपजे जनता के दबाव ने चुनाव आयोग को ऐसा करने के लिए मजबूर किया। लेकिन सवाल उठता है कि क्या आयोग को इसकी भरपाई राहुल गांधी की टिप्पणी पर भी नोटिस भेजकर करनी पड़ी?'' रमेश ने दावा किया कि दोनों को एक समान मानकर चुनाव आयोग ने अपनी ही मजबूरियों को उजागर किया है, जबकि किसी भी मानक के अनुसार, इसे बराबर करके देखना विचित्र और पूरी तरह से अनुचित है। उन्होंने कहा, ''इस बीच भाजपा के उम्मीदवार अपने चुनाव प्रचार में धार्मिक प्रतीकों का बेशर्मी से इस्तेमाल करते जा रहे हैं।'' इससे पहने रमेश ने संवाददाताओं से कहा, ''चुनाव आयोग से हमने शिकायत की थी। हम आयोग के संज्ञान में यह बात लाए कि जिस भाषा का इस्तेमाल प्रधानमंत्री कर रहे हैं वह आदर्श आचार संहिता, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की संबंधित धाराओं और उच्चतम न्यायालय के कई निर्णयों के खिलाफ है।'' उन्होंने कहा, ''.... कुछ देरी हुई है। हमने और भी शिकायतें की हैं।

सांसद प्रमिला जयपाल की बहन सुशीला ने किया अपने विज्ञापन अभियान का शुभारंभ, ओरेगन से हैं कांग्रेस दावेदार

वॉशिंगटन, एजेंसी।
भारतीय मूल की अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल की बहन सुशीला ने संसदीय चुनाव के लिए अपना पहला विज्ञापन अभियान का शुभारंभ गुरुवार को ओरेगन से किया। सुशीला पहले मल्टनोमा में काउंटी कमिश्नर रही हैं।

ओरेगॉन के तीसरे कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट में कांग्रेस (संसद) के लिए उम्मीदवार सुशीला जयपाल ने अपने विज्ञापन अभियान में अपने प्रगतिशील कामों और गर्मभात अधिकार कार्यकर्ता के रूप में अपनी सेवा पर प्रकाश डाला। जयपाल ने प्राइमरी मतदाताओं तक अपना संदेश पहुंचाने के लिए टेलीविजन और डिजिटल मंचों पर तीस सेकंड के दो विज्ञापन टॉक अबाउट इट और पर्सनल जारी किए।

टॉक अबाउट इट विज्ञापन में सुशीला की निजी यात्रा के बारे में जानकारी दी गई। इसमें बताया गया है कि जब वह छोटी थीं तब उन्होंने कैसे गर्भपात कराने का मुश्किल भरा फैसला लिया। इस अनुभव ने उनके वकालत के काम को गहराई से प्रभावित किया, खासतौर पर महिलाओं के गर्भपात के अधिकारों का समर्थन करने में। उनके प्रयासों में दवा सहायता प्राप्त गर्भपात सेवाओं को शुरू करने के लिए एक स्थानीय क्लीनिक के साथ सहयोग करना शामिल है, जो इसे देश में अपनी तरह का पहला क्लीनिक बनाता है।

दूसरा विज्ञापन पर्सनल उनकी आप्रवासी पृष्ठभूमि के बारे में बताता है। इसमें उन्होंने अपने माता-पिता से मिले सेवा और समानता के मूल्यों, ग्रीन न्यू डील, मेडिकेयर फॉर ऑल जैसी महत्वकांक्षी नीतियों और ठोस समाधानों पर प्रकाश डाला है।

सुशीला ने मल्टनोमा काउंडी बोर्ड के कमिश्नर पद से इस्तीफा दिया था। वह पेशे से वकील भी हैं। वह गर्भपात अधिकार, बंदूक सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर काम कर चुकी हैं। वह कई मौकों पर कह चुकी हैं कि वह कभी भी प्रचार के लिए कॉरपोरेट चंदे को स्वीकार नहीं करेंगी।

दुनिया में भूख से तड़प रहे 28.2 करोड़ लोग, यूएन की 'ग्लोबल रिपोर्ट ऑन फूड क्राइसिस' में खुलासा

न्यूयॉर्क, एजेंसी।
संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिणी सूडान, बुर्किना फासो, सोमालिया और माली में हजारों लोग भूख से तड़प रहे हैं। रिपोर्ट में भावी परिदृश्य का अनुमान है कि गाजा में 11 लाख व दक्षिण सूडान में 79 हजार लोग जुलाई तक 5वें चरण में पहुंच सकते हैं।

वर्ष 2023 में 59 देशों के करीब 28.2 करोड़ लोग भूख से तड़पने को मजबूर हुए और युद्धग्रस्त गाजा में सबसे ज्यादा लोगों ने अकाल की गंभीर स्थिति का सामना किया। संयुक्त राष्ट्र ने 'ग्लोबल रिपोर्ट ऑन फूड क्राइसिस' में इसकी जानकारी दी।

रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में 2.4 करोड़ से अधिक लोगों को खाद्य सामग्री की भारी कमी से जूझना पड़ा। इसके चलते गाजा पट्टी और सूडान में खाद्य सुरक्षा के बिगड़े हालात थे। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन के मुख्य अर्थशास्त्री मैक्सिमो टोरेरो ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने भूख का एक पैमाना तय किया है, जिसमें पांच देशों के 7,05,000 लोग पांचवे चरण में हैं, जिसे उच्च स्तर माना जाता है। संयुक्त राष्ट्र में खाद्य-कृषि संगठन के मुख्य अर्थशास्त्री मैक्सिमो टोरेरो ने कहा, 2016 में वैश्विक रिपोर्ट जारी करने की शुरुआत के मुकाबले भूख से तड़पने वालों की यह संख्या अब तक सर्वाधिक है।

अकाल के लिए होंगे मजबूर

अमेरिका ने भारत की तीन कंपनियों पर लगाई पाबंदी, ईरान के साथ डील करने पर ऐक्शन

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका ने एक दर्जन से ज्यादा ऐसी कंपनियों पर पाबंदियां लगा दी हैं, जिन्होंने ईरान के साथ कारोबार किया था। इनमें भारत की भी तीन कंपनियां शामिल हैं। इन कंपनियों पर आरोप है कि ईरान की ओर से यूक्रेन युद्ध के लिए रूस को ड्रोन भेजे गए थे और इस डील में इनकी ओर से मदद की गई थी। अमेरिका के ट्रेजरी डिपार्टमेंट का कहना है कि हमने जांच में पाया है कि इन कंपनियों ने ईरान के साथ रूस की डील में मदद की थी। अमेरिकी विभाग के अनुसार इस डील में मुख्य कंपनी सहारा थंडर थी, जिसने ईरान के ड्रोन्स को दूसरे देशों में बेचने में मदद की।

सहारा थंडर को इस डील में मदद करने का आरोप भारत की तीन कंपनियों जेन शिपिंग, पोर्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और सी आर्ट शिप मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड पर लगा है। अमेरिकी एजेंसी के अनुसार ईरानी सैन्य यूनिट सहारा थंडर एक विशाल शिपिंग नेटवर्क वाली कंपनी है। यह ईरान के रक्षा और सशस्त्र बल रसद मंत्रालय (एमओडीएएफएल) की ओर से पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी), रूस, वेनेजुएला और कई देशों में ईरानी वस्तुओं की बिक्री करती है।

सहारा थंडर ने कुक आइलैंड्स-ध्वजांकित जहाज सीएचईएम (आईएमओ 9240914) के लिए भारत स्थित ज़ेन शिपिंग और पोर्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ टाइम-चार्टर के साथ करार किया है। इसका प्रबंधन और संचालन संयुक्त अरब अमीरात स्थित सेफ सीज़ शिप मैनेजमेंट एफजेडई द्वारा किया जाता है। ट्रेजरी विभाग ने कहा है,

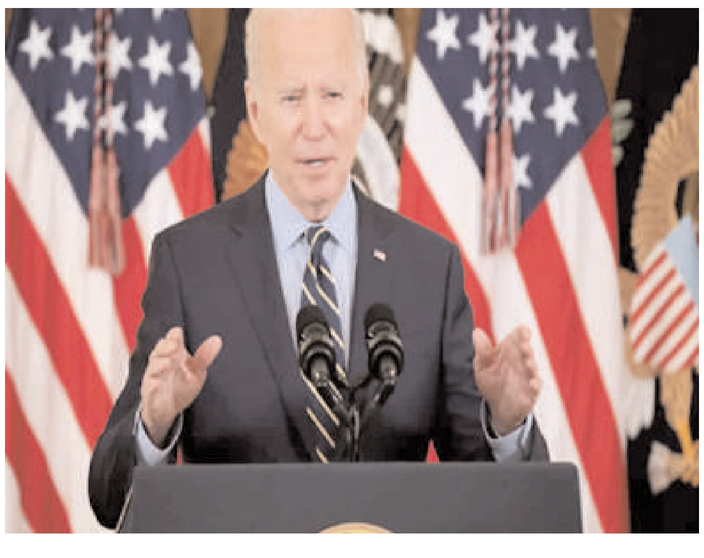

'सहारा थंडर ने 2022 से वस्तुओं के कई जहाज भेजने के लिए सीएचईएम का उपयोग किया है। ईरान स्थित अर्सांग सेफ ट्रेडिंग कंपनी ने सीएचईएम सहित कई सहारा थंडर-संबंधित जहाज परिवहन में सेवाएं प्रदान की हैं।' ट्रेजरी के अनुसार, ईरान स्थित एशिया मरीन क्राउन एजेंसी ने कई सहारा थंडर शिपमेंट में सहयोग करते हुए ईरान के बंदर अब्बास में बंदरगाह एजेंट के रूप में काम किया है। इसमें कहा गया है, 'भारत स्थित सी आर्टशिप मैनेजमेंट (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड और यूएई स्थित कंपनी ट्रांस गल्फ एजेंसी एलएलसी ने सहारा थंडर के समर्थन में जहाजों का प्रबंधन करने के लिए मिलकर काम किया है। इसके एवज में यूएई और ईरान स्थित कोरल ट्रेडिंग ईएसटी ने सहारा थंडर से ईरानी वस्तुएं खरीदी हैं।'

कनाडा में मुफ्त खाना लेना भारतीय छात्र को पड़ा महंगा, छह दिनों तक कमरे में रहा बंद

ओटावा, एजेंसी। सोशल मीडिया पर गलत जानकारियां अक्सर आग की तरह फैल जाती हैं और फिर उसका खामियाजा किसी न किसी को भुगतना पड़ता है। ऐसा ही कुछ एक भारतीय डाटा वैज्ञानिक के साथ हुआ। उन पर आरोप लगाया गया कि उन्होंने कनाडाई फूड बैंकों से मुफ्त खाने का फायदा उठाया है। हालांकि, बढ़ते विवाद के बीच अब पढ़ाई के लिए कनाडा गए भारतीय छात्र मेहुल प्रजापति ने सफाई दी है। उन्होंने दावा किया कि यह नस्ली हमला था। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे वह पिछले छह दिनों से एक कमरे में बंद थे। वह डर की वजह से बाहर नहीं निकल रहे थे।

विवाद की शुरुआत एक वीडियो से होती है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रजापति ने कनाडाई फूड बैंकों से मुफ्त खाने का फायदा उठाने को लेकर सोशल मीडिया पर एक वीडियो अपलोड किया था। वीडियो में प्रजापति ने बताया था कि वह हर महीने खाने और किराने के सामान में सैकड़ों रुपये बचाते हैं। वीडियो में मेहुल ने बताया था कि वे कैसे हर महीने फूड और ग्रॉसरी में सैंकडों रुपये आसानी से बचा रहे हैं। उन्होंने वीडियो में बताया था कि ये ग्रॉसरी सभी छात्रों के लिए हैं। उन्होंने वीडियो में कहा था, यहां ज्यादातर कॉलेज और यूनिवर्सिटी में फूड बैंक होते हैं, जिन्हें ट्रस्ट, चर्च या नॉन प्रॉफिट ऑर्गेनाइजेशन द्वारा चलाया जाता है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार, आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।